www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, बुधवार
3 जून 2026
वर्ष: 49
अंक: 41 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

अन्नामलाई ने गृह मंत्री अमित शाह से की मुलाकात

- दावा-बीजेपी से सम्मानजनक विदाई चाहते हैं,7 जून को फैसला लेंगे

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने मंगलवार को दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इससे पहले उन्होंने सुबह में बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन और राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष से भी मुलाकात की थी। यह मुलाकात उनके बीजेपी छोड़ने की चर्चाओं के बीच हुई है। सूत्रों के मुताबिक,

वह भाजपा से बिना टकराव वाली सम्मानजनक विदाई चाहते हैं। इसके बाद वह तमिलनाडु में 'राष्ट्रवादी-तमिल दर्शन' आधारित गैर-राजनीतिक आंदोलन शुरू करेंगे, जिसे जनभावनाओं के आधार पर बाद में राजनीतिक दल में बदला जा सकता है। अन्नामलाई 7 जून को अपने कोर समर्थकों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद वह आगे की रणनीति का ऐलान कर सकते हैं। युवा वोटबैंक में उनकी पकड़ को देखते हुए उनके अगले कदम पर राजनीतिक दलों की नजर है। यह भी चर्चा है कि संगठन चाहता है कि अन्नामलाई सार्वजनिक जीवन में सक्रिय बने रहें।

अन्नामलाई और बीजेपी में अनबन, 4 संकेत... विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने अन्नामलाई की जगह नैनार नागेंद्रन को तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष बनाया था। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अन्नामलाई ने चुनाव भी नहीं लड़ा था। अन्नामलाई ने तीन-भाषा नीति को मौजूदा सत्र से लागू करने पर सवाल उठाए थे। उन्होंने शिक्षा मंत्रालय से इसे 2029-30 शैक्षणिक सत्र से लागू करने की मांग की थी।

वंदे मातरम बोझिल, हर कार्यक्रम में राष्ट्रगीत गाना हो रहा मुश्किल

- थरूर बोले-इसका समाधान आपसी सहमति से निकाला जाए

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सरकारी कार्यक्रमों की शुरुआत और अंत में राष्ट्रगीत वंदे मातरम के सभी 6 छंदों को बजाने या गाना अनिवार्य करने पर सवाल उठाया। उन्होंने इसे गैर जरूरी और लोगों के लिए बोझिल बताया। केरल के तिरुवनंतपुरम में सोमवार को थरूर ने कहा, वंदे मातरम हमारा राष्ट्रगीत है। जब इसे गाया जाता है, तो हम सम्मान में खड़े हो जाते हैं। इसका

पहला छंद या पहले दो छंद ज्यादातर लोगों को जुबानी याद होते हैं। थरूर ने बताया कि पारंपरिक रूप से यह गीत किसी कार्यक्रम की शुरुआत में एक बार गाया जाता था तो वहीं राष्ट्रगान अलग से कार्यक्रम के आखिर में बजाया जाता था। इसी साल 19 फरवरी को दिल्ली में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन की मौजूदगी में आयोजित एक कार्यक्रम का शशि थरूर ने जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वहां शुरुआत और अंत में वंदे मातरम का पूरा संस्करण बजाया गया था। उनके मुताबिक, गीत लंबा होने के कारण लोगों के लिए दो बार खड़े रहना असुविधाजनक था। थरूर ने कहा आखिरकार इस मामले पर कोई फैसला लेना पड़ सकता है, क्योंकि संसद द्वारा पारित ऐसा कोई कानून नहीं है जो इसे अनिवार्य बनाता हो। मुझे राष्ट्रगीत से कोई आपत्ति नहीं है। वंदे मातरम का जो हिस्सा पारंपरिक रूप से सार्वजनिक कार्यक्रमों में गाया जाता रहा है, उसकी लंबाई लगभग राष्ट्रगान जितनी ही है।

- विदेशियों के लिए भारत में रहने के नियम बदले

अब 180 दिन पूरे होने से पहले रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे, ऑनलाइन अपील का भी ऑप्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने विदेशी नागरिकों के भारत में रहने के नियमों में बदलाव किया है। गृह मंत्रालय ने इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स (संशोधन) नियम, 2026 की अधिसूचना जारी करके रजिस्ट्रेशन और अपील से जुड़े नियमों में बदलाव की जानकारी दी। नए नियमों के मुताबिक विदेशी नागरिक अब भारत में उसके रहने के 180 दिन पूरे होने से पहले कभी भी रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। साथ ही ऑनलाइन अपील का ऑप्शन भी कर सकेंगे। पहले भारत में 180 दिन पूरे होने के बाद विदेशी नागरिकों को 14 दिन के भीतर रजिस्ट्रेशन कराना होता था।

ऑनलाइन अपील का प्रावधान जोड़ा गया

पहली बार ऑनलाइन अपील की व्यवस्था जोड़ी गई है। किसी आदेश से प्रभावित व्यक्ति अब ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन के आयुक्त के पास ऑनलाइन अपील कर सकेगा। आदेश मिलने के 30 दिन के भीतर अपील करनी होगी। आयुक्त को संबंधित पक्ष की सुनवाई के बाद फैसला देना होगा। 60 दिन के भीतर मामले का निपटारा करने की कोशिश करना होगा।

2025 में पास हुआ था कानून

संसद ने मार्च 2025 में इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट, 2025 पास किया था। इस कानून ने पासपोर्ट एक्ट 1920, फॉरेनर्स रजिस्ट्रेशन एक्ट 1939, फॉरेनर्स एक्ट 1946 और इमिग्रेशन एक्ट 2000 समेत कई पुराने कानूनों के प्रावधानों को एक ढांचे में समेटा गया। कानून के तहत यदि कोई गैर कानूनी तरीके से किसी विदेशी को देश में लाता, ठहराता या बसाता है, तो उसे 3 साल जेल या 2 से 5 लाख रुपए का जुर्माना या फिर दोनों की सजा हो सकती है। भारत में आने के लिए किसी भी विदेशी के पास वैध पासपोर्ट और वीजा होना अनिवार्य होगा।

बंगाल में टीएमसी तोड़ सकते हैं निकाले गए विधायक

- बोले-हम असली तृणमूल,50 से ज्यादा एमएलए साथ
- कहा-नेता विपक्ष हमारा हो चुनाव चिन्ह भी हमें मिले

कोलकाता (एजेंसी)। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस दो गुटों में बंट सकती है। पार्टी से निकाले गए नेता रिजू दत्ता ने दावा किया कि 80 में से 50 से ज्यादा विधायक खुद को असली तृणमूल बताने की तैयारी कर रहे हैं। रिजू ने दावा किया है कि आज ये सभी विधायक विधानसभा स्पीकर के पास जाएंगे और तीन मुद्दे उठाएंगे। पहला- हम ही असली तृणमूल कांग्रेस हैं। दूसरा, विपक्ष के नेता ऋतब्रत होंगे, न कि शोभनदेव। तीसरा, हमारे पास दो-तिहाई बहुमत है, इसलिए चुनाव चिह्न हमारा होना चाहिए। बंगाल में टीएमसी के 80 विधायक हैं।

टूट की संभावनाओं पर बयान

बीजपी ने कहा-टीएमसी के लिए हमारे दरवाजे बंद बीजेपीके अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा टीएमसी के लिए हमारे दरवाजे बंद हैं। हमने किसी को बाहर से लाए बिना 207 का आंकड़ा छू लिया। इस बार हमारी राजनीतिक रणनीति जमीनी स्तर से शुरू हुई। हम ऐसे लोगों को अपनी पार्टी में कैसे शामिल कर सकते हैं जो दागी हैं? बीजेपी का तृणमूलीकरण कभी नहीं होगा।

टीएमसी का दावा- ज्यादातर विधायक ममता के साथ रहेंगे-टीएमसी के शोभनदेव ने कहा कि पार्टी के ज्यादातर विधायक दलबदल की अटकलों के बावजूद पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ ही रहेंगे।

114 राफेल, स्वदेशी तकनीक के साथ भारत में होगा निर्माण

- फ्रांस के साथ इस डील से दहल जाएंगे देश के दुश्मन देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद की पूरी तैयारी कर ली है। फ्रांस की कंपनी के साथ 3.25 करोड़ की डील के लिए लेटर ऑफ रिक्वेस्ट जारी कर दिया गया है। इस डील के तहत 94 राफेल विमानों की निर्माण फ्रांसीसी कंपनी दसॉल्ट एविएशन के साथ मिलकर भारत में ही किया जाएगा।

सूत्रों का कहना है कि फ्रांस की ओर से इसम मामले में तीन महीने में जवाब आ सकता है और इसके बाद डील फाइनल हो जाएगी। भारतीय वायुसेना को विमानों की सख्त जरूरत है और यह वायुसेना की जरूरत पूरी करने की ओर बड़ा कदम है।

वहीं राफेल विमानों से दुश्मन खौफ भी खाते हैं क्योंकि ये अत्याधुनिक विमान हैं। ये विमान बियॉन्ड विजुअल रेंज तकनीक से लैस होते हैं। इसका मतलब है कि जहां तक देखा नहीं जा सकता है, उससे बहुत आगे जाकर भी वार किया जा सकता है। ऐसे में राफेल से दुश्मन देश पर हमला करना आसान हो जाता है।

समंदर में भी राफेल करेंगे सुरक्षा

भारतीय नौसेना ने समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए 31 राफेल विमानों को खरीदने की इच्छा जताई थी। अगर ऐसा होता है तो राफेल विमानों की संख्या 200 के भी पार पहुंच जाएगी। खास बात यह है कि इनमें से आधे राफेल विमान भारत में ही निर्मित होंगे। इससे पहले वायुसेना प्रमुख, एयरचीफ मार्शल एपी सिंह दसॉल्ट एविएशन कंपनी का दौरा कर सकते हैं। यहीं राफेल विमानों का निर्माण होता है। पहली बार है जब राफेल विमानों का निर्माण फ्रांस से बाहर किसी देश में होगा। भारत में यह 50 फीसदी स्वदेशी तकनीक के साथ तैयार किया जाएगा। यह खरीद वायुसेना के मल्टी-रोल फाइटर एयरक्राफ्ट कार्यक्रम का हिस्सा है।

जून में पीएम मोदी का फ्रांस दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जून में फ्रांस का दौरा कर सकते हैं। इस दौरान राफेल डील पर भी बातचीत होने की पूरी संभावना है। भारत ने वायुसेना में विमानों की कमी को देखते हुए 4.5 जेनेरेशन प्लस राफेल विमानों को शामिल करने का फैसला किया है। वायुसेना और नौसेना पहले भी 62 विमानों का ऑर्डर दे चुकी है। वहीं 114 राफेल विमानों की डील फाइनल होने के बाद इनकी संख्या 176 हो जाएगी जो कि भारतीय सेना के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। बीते साल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राफेल विमानों ने बहुत ही कम समय में दुश्मन के छक्के छुड़ा दिए। जाहिर सी बात है कि चीन को भी इन विमानों से चुनौती महसूस होती है।

सूर्या की हत्या के बाद 'ऑपरेशन क्लीन स्वीप' का आगाज

- खौफ में तुरंत 250 का सरेंडर, मदरसों पर भी शुरू हुआ ऐक्शन

लखनऊ (एजेंसी)। गाजियाबाद के खोड़ा इलाके में 17 साल के सूर्या चौहान की बकरीद पर हुई हत्या के बाद पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ 'ऑपरेशन क्लीन स्वीप' का आगाज कर दिया है। हत्याकांड के मुख्य आरोपी असद का एनकाउंटर के बाद जहां उसके घर पर बुलडोजर ऐक्शन की तैयारी है तो दूसरी तरफ तीन मदरसों को भी सील कर दिया गया है। वहीं, पुलिस से मिले अल्टीमेटम के बाद करीब 250 अपराधियों ने सरेंडर किया। वे हाथों में पोस्टर लेकर माफी मांगते और फिर कभी जुर्म ना करने की कसम खाते नजर आए। खोड़ा में 29 मई से ही भारी पुलिस फोर्स तैनात है। मंगलवार को भी बड़ी संख्या में लोग सूर्या के घर पहुंचे थे। इसी बीच पुलिस कमिश्नर और डीएम पहुंचे। यहां प्रशासन की टीम ने लोकप्रिय विहार स्थित मदरसा रहमानिया अरबिया कासिम-उल-उलूम को सील किया।

- असद के पुराने मकान पर तोड़फोड़ का प्रयास

इससे पहले सोमवार को पुलिस और प्रशासन की टीम ने आरोपी असद के पुराने मकान पर नोटिस चस्पा किया था। आरोप है कि सोमवार की रात बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने असद के इसी पुराने मकान पर पहुंचकर तोड़फोड़ की, जिससे इलाके में तनाव और बढ़ गया। गनीमत थी कि पुलिसकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर तोड़फोड़ करने वालों को रोका। इसके बाद से यहां भी पुलिस बल तैनात किया गया है। दरअसल, गाजियाबाद में प्रशासन ने अपराधियों पर नकेल कसने के लिए ऑपरेशन क्लीन स्वीप का आगाज किया है। इसके तहत आपराधिक इतिहास रखने वाले लोगों की पहचान की जा रही है और आपराधिक गितिविधियों वाले इलाकों में रहने वाले लोगों की वेरिफिकेशन की जा रही है।

बेटे को अलग घर चाहिए और माताजी को अलग

- सीएम सम्राट चौधरी का पूर्व सीएम राबड़ी देवी पर तंज
- सीएम ने कहा-पार्टी के कहते ही झोला उठाकर चल दूंगा

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बिना नाम लिए राबड़ी देवी पर निशाना साधा है। उन्होंने मंगलवार को शेखपुरा में एक जनसभा के दौरान कहा, यहां किसी की बपौती नहीं हो सकती, ये राजतंत्र थोड़ी है कि आपको जो घर मिला, उसी घर में रहेंगे। उन्होंने आगे कहा, मैं 1999 में आया सरकार में मंत्री के तौर पर, आज जिस घर में मैं हूं ये मेरा 11वां घर है, मैं मात्र तीन घरों में स्वयं रहा और सभी घरों में मैंने कार्यालय चलाने का काम किया। सम्राट चौधरी ने आगे कहा कि कुछ लोगों को मोह है, बेटे को अलग घर चाहिए, माताजी को अलग घर चाहिए।

पार्टी के कहते ही छोड़ दूंगा सरकारी आवास- उन्होंने कहा, हम लोग जनता के काम के लिए आए हैं। घर की चिंता छोड़ दीजिए और जिस दिन पार्टी और हमारे नेता कहेंगे कि आपका काम यहीं पर समाप्त होता है, मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि सम्राट चौधरी अपना झोला उठाकर अपने प्राइवेट घर में चला जाएगा कभी सरकारी घर में नहीं रहेगा। हम जनकल्याण के लिए आए हैं। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद वह एक, अणे मार्ग स्थित मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास में केवल पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के आग्रह पर काम करने के लिए गए।

- ट्विशा शर्मा केस

सीबीआई ने समर्थ और गिरिबाला की अतिरिक्त कस्टडी नहीं मांगी

दूसरे कैदियों से अलग रखे जाएंगे समर्थ और गिरिबाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्विशा शर्मा मामले में भोपाल कोर्ट ने समर्थ सिंह और उसकी मां गिरिबाला सिंह को 16 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। सुनवाई के दौरान सीबीआई ने दोनों की अतिरिक्त कस्टडी की मांग नहीं की। इसी वजह से अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने का फैसला सुनाया। बताया जा रहा है कि गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह भोपाल सेंट्रल जेल में रहेंगे।

दोनों को अन्य कैदियों से अलग रखा जाएगा। जानकारी के लिए बता दें कि सीबीआई की पहले चरण की जांच पूरी हो चुकी है। इस जांच में एजेंसी ने ट्विशा शर्मा की मौत से जुड़े

तमाम पहलुओं पर पूछताछ की थी। हर घटना की क्रोनोलॉजी तैयार की गई थी और 12 मई की रात आखिर क्या हुआ था, इसकी भी पड़ताल की गई।

कई तरह के डिजिटल फॉरेंसिक और फिजिकल एविडेंस को भी जांच में शामिल किया गया। इस मामले में सबसे पहले कटारा हिल्स पुलिस स्टेशन में दहेज के कारण मौत का मामला दर्ज किया गया था। हालांकि जांच में कई तरह की लापरवाही सामने आने और सबूतों के साथ छेड़छाड़ के आरोप लगने के बाद यह मामला सीबीआई को सौंप दिया गया।

हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को बदला

जब मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत याचिका खारिज की थी, तब अदालत ने माना था कि ट्रायल कोर्ट गवाहों के बयानों को सही तरीके से नहीं समझ पाया था। साथ ही व्हाट्सऐप चैट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आए चोट के निशानों पर भी पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया था। फिलहाल सीबीआई इस मामले की जांच भारतीय न्याय संहिता की धारा 80(2), 85 और 3(5) के तहत कर रही है। इसके अलावा मामले में दहेज निषेध अधिनियम की धारा 3 और 4 भी जोड़ी गई है। वैसे इस मामले में गवाहों के को डराने-धमकाने के आरोप भी लगने लगे हैं। असल में ट्विशा शर्मा मामले में सोमवार को सीबीआई ने घटनास्थल को दोबारा क्रिएट किया। इस दौरान ट्विशा के पति समर्थ सिंह और उनकी सास सहयोगी गिरिबाला सिंह से भी पूछताछ की गई। तब ट्विशा शर्मा मामले में गवाह बने नीरज दुबे ने आरोप लगाया है कि समर्थ सिंह के दोस्तों ने उन्हें घेरकर धमकाया और उन पर हमला करने की कोशिश की। गवाह के मुताबिक, घटना 30 मई की है। उनका कहना है कि उन पर लगातार दबाव बनाया जा रहा था ताकि वे अदालत में गवाही न दें या फिर अपने बयान से पलट जाएं। घटना की जो तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें कुछ लोग नीरज दुबे को घेरे हुए दिखाई दे रहे हैं। वे उनसे यह जानने की कोशिश कर रहे थे कि आखिर उन्होंने ट्विशा शर्मा मामले में गवाह बनने का फैसला क्यों किया। घटना के तुरंत बाद नीरज दुबे कटारा हिल्स पुलिस स्टेशन पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

जो बोली से नहीं माना वो गोली से जरूर मान गया

सीएम योगी ने कहा-हमने शोहदों को ठीक किया है

यूपी अब कट्टा-बम से ब्रह्मोस मिसाइल बना रहा है

कुशीनगर (एजेंसी)। कुशीनगर की धरती से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकास बनाम अराजकता के मुद्दे पर कहा कि पहले की सरकारों के समय उत्तर प्रदेश कट्टा-बम बनाने वालों की पहचान से जुड़ा था, जबकि आज वही उत्तर प्रदेश देश की सुरक्षा के लिए ब्रह्मोस मिसाइल बना रहा है। पिछली सरकारें निर्दोष लोगों, व्यापारियों को लूटने के लिए कट्टा-बम बनाती थीं। बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाती थीं, लेकिन हमने इन शोहदों को ठीक किया है। जो ठीक नहीं हुआ, बोली से नहीं माना वो गोली से जरूर मान गया है। मंगलवार को कुशीनगर में 424+ करोड़ की 278 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास के अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों की विकृत मानसिकता ने कुशीनगर को बीमारी में धकेला।

- डबल इंजन सरकार से कुशीनगर की तस्वीर बदल गई- मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान राम के पुत्र कुश, भगवान बुद्ध और भगवान महावीर की तपोभूमि कुशीनगर आज विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है, जबकि 9-10 वर्ष पहले यह जनपद पहचान के संकट, इंसेफेलाइटिस, माफिया राज, भूख, बेरोजगारी और अव्यवस्था से जूझ रहा था। खनन माफिया का आतंक था, किसान शोषण का शिकार था, उपज का उचित मूल्य नहीं मिलता था, स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएं बदहाल थीं तथा फाजिलनगर व कसया क्षेत्र में लोगों की भूख से मौत हुई थी।

राजधानी में 99.39 करोड़ रुपये के बजट से विकास कार्य होंगे

देहरादून। देहरादून जिले में जिला योजना के अंतर्गत होने वाले विकास कार्यों व परियोजनाओं में जनप्रतिनिधियों से प्राप्त सुझावों और प्रस्तावों को भी शामिल किया जाएगा। राजधानी में 99.39 करोड़ के रुपये बजट से विकास कार्य होंगे। प्रत्येक विभाग एक अभिनव (इनोवेटिव) एवं स्थायी (सस्टेनेबल) परियोजना को जिला योजना में अनिवार्य रूप से शामिल करेंगे। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने इस संबंध में निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने मंगलवार को वित्तीय वर्ष 2026–27 की जिला योजना संरचना को लेकर समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने देहरादून के विकास के लिए जिला योजना में लगभग 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए जनपद देहरादून के लिए 99.39 करोड़ रुपये का बजट अनुमोदित किया गया है। इसमें 37.19 करोड़ रुपये मानदेय एवं वचनबद्ध योजनाओं, 10.39 करोड़ रुपये चालू एवं अधूरे कार्यों को पूर्ण करने, 15.93 करोड़ रुपये स्वरोजगार संबंधी योजनाओं और 36.25 करोड़ रुपये नए एवं अभिनव कार्यों के लिए निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने सभी विभागों को जनहित आधारित, व्यावहारिक एवं नवाचारयुक्त योजनाएं प्रस्तावित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों से प्राप्त सुझावों और प्रस्तावों को जरूर शामिल करें। जिले के संतुलित एवं समग्र विकास को ध्यान में रखकर जिला योजना संरचना तैयार की जाए। विभिन्न विभाग एक–एक परियोजना को जिला योजना में अनिवार्य रूप से शामिल करे और उसके अपेक्षित परिणामों की विस्तृत रिपोर्ट भी प्रस्तुत करे। उन्होंने कहा कि राजधानी देहरादून की अर्थव्यवस्था और स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ऐसी योजनाएं बनाई जाएं, जिनका लाभ सीधे लोगों तक पहुंचे। डीएम ने अधूरी एवं लंबित योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला योजना के अंतर्गत केवल उन्हीं परियोजनाओं को शामिल किया जाए जिनकी भूमि उपलब्ध हो, विवाद रहित हों तथा जिन्हें वर्तमान या अगले वित्तीय वर्ष तक पूरा किया जा सके। उन्होंने चेतावनी दी कि पर्याप्त धनराशि उपलब्ध होने के बावजूद योजनाएं समय पर पूरी न होना संबंधित विभाग की गंभीर विफलता मानी जाएगी। साथ ही जवाबदेही तय करते हुए कठोर कार्रवाई की जाएगी।जिला योजना में प्रस्तावित कार्यों का भौतिक सत्यापन कराया जाएगा। यदि किसी विभाग द्वारा जनहित के अनुरूप धनराशि का सदुपयोग नहीं पाया गया तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई होगी.

डीएम ने स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उद्योग, कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य पालन, दुग्ध विकास एवं आजीविका संवर्धन से जुड़े प्रस्तावों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

इंडियन आइडल विजेता पवनदीप ने किए बाबा केदार के दर्शन

रुद्रप्रयाग। गायक व द वॉयस इंडिया व इंडियन आइडल सीजन–12 के विजेता पवनदीप राजन ने मंगलवार को बाबा केदार के दर्शन कर देश व राज्य की सुख–समृद्धि की कामना की। पवनदीप बीते कई दिनों से केदारघाटी में प्रवास कर रहे हैं। चंपावत निवासी पवनदीप राजन अपनी मधुर गायकी के लिए देशभर में प्रसिद्ध हैं। गायन के साथ–साथ वे विभिन्न वाद्य यंत्रों के कुशल कलाकार भी हैं। पहाड़ों और अपनी सांस्कृतिक जड़ों से गहरा लगाव होने के साथ ही उत्तराखंड की संस्कृति और लोक परंपराओं को बढ़ावा देते रहे हैं। केदारनाथ धाम में पवनदीप के साथ उनके फैंस ने तस्वीरें खिंचवाईं और उनका स्वागत किया। पवनदीप ने कहा कि यहां वादियां, संस्कृति व आध्यात्मिक वातावरण उन्हें हमेशा अपनी ओर आकर्षित करता है।

श्रमिकों ने किया डाकपत्थर में यूजेवीएनएल में लखवाड़ भवन का घेराव

विकासनगर। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के पश्मी गांव से दिसंबर माह में छत्रधारी चालदा महाराज के मशक प्रवास के दौरान ग्राम बायला आगमन को लेकर मंगलवार को बुल्हाड़ में सात गांव खत भरम की बैठक आयोजित हुई।

इस बैठक में महाराज के प्रस्तावित प्रवास की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई और इसी क्रम में श्री चालदा महाराज समिति (सात गांव, खत भरम) बायला का गठन किया गया। इस तरह की धार्मिक और सांस्कृतिक बैठकों का महत्व कई स्तरों पर होता है: सामुदायिक एकता: सात गांवों के लोग एक साथ मिलकर आयोजन की तैयारी करते हैं, जिससे आपसी सहयोग और भाईचारा बढ़ता है। धार्मिक आस्था: महाराज के प्रवास को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्ति का वातावरण बनता है। सांस्कृतिक संरक्षण: पारंपरिक रीति–रिवाज और स्थानीय परंपराएँ इस तरह के आयोजनों से जीवित रहती हैं।

संक्षिप्त समाचार

शराबबंदी मुहिम में आराकोट गांव भी हुआ शामिल

नई टिहरी। आराकोट गांव में भी सार्वजनिक कार्यक्रमों में शराब पिलाने की प्रथा बंद करने का निर्णय लिया है। पंचायत के इस फैसले के बाद अब गांव में शादी आदि किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम में शराब को प्रतिबंधित कर दिया गया। गांव में डीजे के लिए भी समय सीमा तय कर दी गई है। पंचायत के फैसले का उल्लंघन करने वाले पर अर्थदंड लगाया जाएगा।आराकोट गांव की प्रधान रामेश्वरी देवी की अध्यक्षता में हुई बैठक में उपस्थित लोगों ने समाज में नशे की प्रवृति बढ़ने पर चिंता जताई। सर्वसम्मत से निर्णय लिया गया, कि विवाह और अन्य किसी मांगलिक कार्यक्रमों में कोई भी शराब नहीं परोसेगा। डीजे रात 12 बजे तक ही संचालित किया जाएगा। शराब पीकर हुड़दंग मचाने वालों के खिलाफ भी सामाजिक कार्यवाही की जाएगी। ग्राम सुधार समिति का गठन करते हुए गीता देवी को अध्यक्ष, हुकम सिंह रावत को उपाध्यक्ष, सावित्री देवी सचिव, सुशीला देवी सह सचिव और पूरण चंद को कोषाध्यक्ष चुना गया। कृष्णा देवी, रीता देवी, सुमन चौहान, रेनू रावत, राधा रमोला, रजनी रावत व शंकुतला देवी सदस्य नामित किए गए हैं। ग्राम प्रधान व संरक्षक रमेश्वरी देवी ने कहा कि नशामुक्त समाज में प्रत्येक ग्रामीण की भागीदारी महत्वपूर्ण है। राड्स संस्था के अध्यक्ष सुशील बहुगुणा ने कहा कि आराकोट गांव ने सराहनीय पहल की है। नशा परिवार को आर्थिक, सामाजिक और मानसिक रूप से कमजोर करता है जबकि संस्कार समाज को मजबूत और संगठित बनाते हैं।

कालीमठ मोटर मार्ग पर जलभराव से सड़क धंस रही है

रुद्रप्रयाग। कालीमठ मोटर मार्ग पर कालीमठ गेट से करीब 300 मीटर आगे पिछले कई दिनों से जल निकासी नाली बंद होने के कारण सड़क पर लगातार पानी बह रहा है। इससे मार्ग के किनारे लगाए गए टाइल्स उखड़ने लगी हैं। कई स्थानों पर जमीन धंसने की स्थिति बन रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार गुप्तकाशी विद्याधाम के निकट बहने वाले गधेरे का प्रवाह दिशा बदलने के कारण बरसाती पानी सीधे मोटर मार्ग पर पहुंच रहा है। जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने से पानी कचरे और बोल्डरों के साथ कई मीटर तक फैल रहा है जिससे मार्ग धीरे–धीरे क्षतिग्रस्त हो रहा है। आशीष सिंह राणा ने आरोप लगाया कि लोनिवि की लापरवाही के कारण इस स्थान पर जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान नालियों में मिट्टी और मलबा भर जाने से पानी सड़क पर बहने लगता है जिससे मार्ग को लगातार नुकसान पहुंच रहा है जिससे भविष्य में बड़ी समस्या उत्पन्न हो सकती है। उधर लोनिवि के अधिशासी अभियंता राकेश प्रकाश नैथानी ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है। उन्होंने कहा अधिकारियों को मौके का निरीक्षण कर नालियों की सफाई व जल निकासी व्यवस्था बहाल करने के निर्देश दिए गए है।

श्रमिकों पर लाठीचार्ज के खिलाफ सीटू ने किया प्रदर्शन

देहरादून। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीटू) ने निर्माणाधीन लखवाड़ व्यासी जलविद्युत परियोजना के श्रमिकों पर पुलिस के लाठीचार्ज करने के खिलाफ मंगलवार को प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने राजपुर रोड सीटू कार्यालय के आगे गांधी पार्क के बाहर सरकार का पुतला जलाकर आक्रोश जताया। वक्ताओं ने कहा कि मजदूर अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे थे। वह कार्य स्थल से 500 मीटर दूर सड़क के किनारे बैठे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनी की मिलीभगत से श्रमिकों पर पुलिस बल का प्रयोग किया गया। उन्होंने इस सब के लिए राज्य की मजदूर विरोधी नीतियों को जिम्मेदार ठहराया और सरकार से मांग करते हुए कहा कि वह मजदूरों के हित में टनल अलाउंस, प्रोजेक्ट अलाउंस, रात्रि भत्ता सहित अन्य अलाउंस का आदेश जारी करे और उत्तराखंड में कठोर श्रम कानून लागू करे, ताकि मजदूरों का शोषण नहीं हो। इस दौरान सीटू के जिला महामंत्री लेखराज, अध्यक्ष एसएस नेगी, भगवंत पयाल, रवींद्र नौडियाल, दीपक शर्मा, हिमांशु चौहान, नरेंद्र सिंह, हरीश कुमार, लक्ष्मी नारायण, मुकुल देव, मनीष कुमार आदि मौजूद रहे।

डॉक्टरों ने नौ घंटे की सर्जरी कर बचाई बुजुर्ग की जान

देहरादून। दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सर्जरी विभाग डॉक्टरों की टीम ने उत्तरकाशी निवासी एक सत्तर वर्षीय बुजुर्ग मरीज के पेट के कैंसर (कार्सिनोमा स्टमक) का अत्याधुनिक लैप्रोस्कोपिक तकनीक से ऑपरेशन कर जान बचाई। बेहद जटिल ऑपरेशन करीब नौ घंटे चला। एचओडी डॉ. अभय कुमार ने बताया कि मरीज पिछले कुछ महीनों से पेट दर्द, भूख न लगना और तेजी से वजन कम होने जैसी समस्याओं से पीड़ित थे।

जांच में उन्हें पेट के निचले हिस्से में कैंसर की पुष्टि हुई थी। डॉ. अभय के नेतृत्व में डॉक्टरों ने स्पाई कंट्रास्ट, ओवरले और इंडोशियनिन ग्रीन डाई जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग कर सटीकता से कैंसरग्रस्त भाग को बाहर निकाला। इसके बाद छोटी आंत को शेष पेट से जोड़कर (गैस्ट्रोजेजुनोस्टॉमी) भोजन का सामान्य मार्ग बहाल किया गया। मरीज को बेहद कम दर्द और न्यूनतम रक्तस्राव हुआ, जिससे उन्हें तेजी से स्वास्थ्य लाभ मिल रहा है। फिलहाल मरीज की स्थिति सामान्य है। टीम में डॉ. दिव्यांशु, डॉ. ईश्विंद्र, डॉ. वैभव, डॉ. मयंक, डॉ. हिमांशु, डॉ. वैष्णवी और एनेस्थीसिया से डॉ. अभिमन्यु, डॉ. साक्षी और डॉ. मानसी थे।

सुराज सेवा दल ने पुलिस के खिलाफ की नारेबाजी

हरिद्वार। रोशनाबाद स्थित एसएसपी कार्यालय पर सुराज सेवा दल के कार्यकर्ताओं ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। संगठन ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए सत्ता के दबाव में काम करने का आरोप लगाया है। प्रदर्शन के बाद संगठन के पदाधिकारियों ने एसपी देहात शेखर सुयाल को एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर के नाम एक ज्ञापन सौंपा। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रमेश जोशी ने पुलिस महानिदेशक के आदेशों का हवाला देते हुए कहा कि बुग्गावाला थाने को छोड़कर जिले के सभी थानों में एसएचओ की नियुक्ति अनिवार्य की गई है। इसके बावजूद, जिले के कई महत्वपूर्ण थानों में अभी भी एसओ कार्यभार संभाल रहे हैं। पथरी थाना क्षेत्र की फेरपुर चौकी में एक पीड़ित ने अपने साथ हुई मारपीट के मामले में पुख्ता साक्ष्यों के साथ मुकदमा दर्ज कराया था, लेकिन पुलिस ने निष्पक्ष कार्रवाई करने के बजाय सत्ता और राजनीतिक दबाव में आकर आरोपी पक्ष की तरफ से भी क्रॉस एफआईआर दर्ज कर दी। इस मौके पर अजय मौर्य, देवेंद्र सिंह बिष्ट, नौशाद अली, कावेरी जोशी, नितिन कटारिया आदि मौजूद रहे।

अदालत ने चरस तस्करी के आरोपी को किया दोषमुक्त

नई टिहरी। विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट)/ जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने एक युवक को स्वापक औषधि एवं मन प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट) के अपराध के आरोप से दोषमुक्त किया है। युवक को सितंबर 2021 में चरस तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस की ओर से अभियुक्त आलोक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में दाखिल आरोप पत्र बताया गया कि 10 सितंबर 2021 को पुलिस शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पिकनिक स्पॉट देवीधार क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इस दौरान कलेक्ट्रेट से पिकनिक स्पॉट रोड पर एक व्यक्ति उनकी ओर आते हुए दिखाई दिया लेकिन पुलिस को देखकर वह भागने लगा। शक होने पर पुलिस ने उसे पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम आलोक (24) निवासी नई टिहरी बताया। तलाशी लेने पर उसकी जेब से 140 ग्राम चरस बरामद की गई। पुलिस कोर्ट में आरोपी के खिलाफ ठोस सबूत पेश नही कर पाई जिसके बाद विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट)/ जिला एवं सत्र न्यायाधीश आलोक कुमार की अदालत ने आरोदी को दोषमुक्त कर दिया।

'कैरी मी बैक' बैग से श्रद्धालु केदारनाथ से गौरीकुंड लाएंगे सूखा कूड़ा

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ मंदिर में सूखे कूड़े के प्रभावी प्रबंधन व पर्यावरण संरक्षण को लेकर जिला प्रशासन ने नई पहल शुरू की। कैरी मी बैक पॉलिसी योजना के तहत नगर पंचायत केदारनाथ श्रद्धालुओं को 500 ग्राम से दो किलो तक के क्षमता वाले बैग उपलब्ध कराएगी जिनमें सूखा कूड़ा एकत्र किया जाएगा। श्रद्धालु इस बैग को केदारनाथ से गौरीकुंड लाएंगे जिससे धाम से भी कूड़ा कम हो सकेगा। यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के केदारनाथ धाम पहुंचने से प्लास्टिक, पैकेजिंग सामग्री व अन्य सूखे कूड़े की मात्रा बढ़ जाती है। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण इसके निस्तारण में भी चुनौतियां आती हैं। इन्हीं समस्याओं को देखते हुए जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के निर्देशन में नगर पंचायत केदारनाथ ने हीलिंग हिमालयास फाउंडेशन व सुलभ इंटरनेशनल के माध्यम से कैरी मी बैक पॉलिसी लागू की जा रही है। योजना के तहत नगर पंचायत केदारनाथ आने वाले श्रद्धालुओं को 500 ग्राम के दो किलो की क्षमता वाले बैग उपलब्ध कराएगी जिनमें सूखा कूड़ा एकत्र किया जाएगा।

बीकेटीसी में करोड़ों के घोटाले के खिलाफ भैरव सेना ने किया प्रदर्शन

देहरादून। भैरव सेना के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को बीकेटीसी में करोड़ों रुपये का घोटाला करने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में प्रदर्शन किया। सिटी मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा गया। संगठन के जिला अध्यक्ष देहरादून अनिल कुमार के नेतृत्व में कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। केंद्रीय अध्यक्ष संदीप खत्री ने कहा कि बदरी–केदार धाम करोड़ों सनातनी धर्मावलंबियों की आस्था के सर्वोच्च केंद्र हैं। लेकिन वर्तमान प्रबंधन और बोर्ड के अनैतिक व विधि विरुद्ध क्रियाकलापों से देवभूमि की छवि वैश्विक स्तर पर धूमिल हो रही है। उन्होंने वीआईपी दर्शन के नाम पर अवैध वसूली का आरोप लगाया है। श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने के बावजूद आय घटने को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कैम्प कार्यालय का नियमविरुद्ध स्थानांतरण करने को लेकर सवाल उठाए हैं।

भैरव सेना ने राज्यपाल से मांग की है कि सनातन धर्म की मर्यादा की रक्षा के लिए वर्तमान गठित बोर्ड को तत्काल प्रभाव से भंग किया जाए और पूरे प्रकरण की किसी स्वतंत्र उच्चस्तरीय न्यायिक या केंद्रीय एजेंसी से समयबद्ध जांच करवाई जाए। संगठन ने मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहायकों ने की भर्ती की मांग

उत्तरकाशी। योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहायक का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके सैकड़ों बेरोजगारों ने भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। मंगलवार को युवाओं ने गंगोत्री विधायक सुरेश सिंह चौहान को ज्ञापन सौंपकर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। प्रशिक्षित युवा शुभम मराठा, दीपक महर, देवेंद्र महर, गौरव जोशी, पंकज महर, अनिल व्यास, आकृति पंवार, सोनम रावत आदि ने कहा कि राज्य सरकार एवं संबंधित संस्थानों की ओर से संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश के सैकड़ों युवाओं ने योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहायक का रोजगारपरक प्रशिक्षण प्राप्त किया है लेकिन प्रशिक्षण पूर्ण होने के बावजूद उन्हें रोजगार के पर्याप्त अवसर नही मिल पाए हैं। इससे प्रशिक्षित युवा लंबे समय से बेरोजगारी का सामना कर रहे हैं। वही, क्षेत्र में प्रशिक्षित मानव संसाधन का समुचित उपयोग नही हो पा रहा है।

अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज में नवजात शिशुओं के लिए सुपर स्पेशलिस्ट सेवा शुरू

अल्मोड़ा। सोबन सिंह जीना राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान अल्मोड़ा में नवजात एवं बाल स्वास्थ्य सेवाओं को बड़ी मजबूती मिली है। संस्थान में पहली बार नियोनेटोलॉजी (नवजात चिकित्सा) के सुपर स्पेशलिस्ट चिकित्सकों की तैनाती की गई है, जिससे गंभीर रूप से बीमार नवजात शिशुओं को अब स्थानीय स्तर पर ही विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध हो सकेगा। संस्थान के प्राचार्य डॉ. चंद्र प्रकाश भैसोड़ा के प्रयासों से बाल एवं नवजात शिशु विभाग में सुपर स्पेशलिस्ट चिकित्सकों की नियुक्ति की गई है। चिकित्सा अधीक्षक एवं बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. अमित कुमार सिंह ने बताया कि नवजात चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. सुमित जीना ने 1 जून से सह प्राध्यापक के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। वहीं डॉ. ज्योति कांडपाल पहले से विभाग में सहायक प्राध्यापक के रूप में सेवाएं दे रही हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में विभाग में छह विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम बाह्य एवं अंतः रोगी सेवाओं, नवजात एवं बाल गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू/पीआईसीयू), टीकाकरण, स्वास्थ्य शिक्षा और परामर्श जैसी सेवाएं प्रदान कर रही है। विभाग में 22 शैय्याओं वाली गहन चिकित्सा इकाई संचालित है।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर राजनीतिक दलों के साथ बैठक

अल्मोड़ा। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के सफल संचालन को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुनरीक्षण प्रक्रिया के विभिन्न चरणों और इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) प्रथम और द्वितीय निर्वाचन प्रक्रिया की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपने–अपने बीएलए को सक्रिय रखने तथा बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के साथ समन्वय स्थापित कर पुनरीक्षण कार्य को सफल बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया। बैठक के दौरान गणना प्रपत्र को डेमो के माध्यम से भरकर दिखाया गया और उससे संबंधित आवश्यक जानकारियां साझा की गईं। साथ ही दावे एवं आपत्तियों की प्रक्रिया, पात्र मतदाताओं के नामों का सत्यापन, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, त्रुटियों के संशोधन तथा अन्य निर्वाचन संबंधी प्रक्रियाओं की जानकारी भी दी गई। अंशुल सिंह ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य निर्वाचक नामावली को अधिक शुद्ध, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना है। इसके लिए निर्वाचन विभाग, राजनीतिक दलों, बीएलओ और बीएलए सहित सभी संबंधित पक्षों की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है।

जमींदोज की गई सरकारी जमीन पर बनी अवैध मजार

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आदेश पर सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जों के खिलाफ राज्य भर में की जा रही कार्यवाही के क्रम में देहरादून जिले की तहसील विकासनगर में भी बड़ी बुलडोजर कार्रवाई सामने आई है। विकासनगर प्रशासन ने शीशमबाड़ा क्षेत्र में बड़ी बुलडोजर कार्रवाई की। प्रशासन ने सरकारी जमीन पर बनी एक अवैध मजार समेत अन्य अस्थायी निर्माणों को जमींदोज कर दिया। राजस्व और पुलिस विभाग की टीम ने कानूनी प्रक्रिया और नोटिस पूरा होने के बाद यह कार्रवाई की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर सरकारी भूमि पर अवैध रूप से बनाई गई मजार को बुलडोजर लगाकर ध्वस्त कर दिया। इसके साथ अन्य अस्थायी निर्माणों को भी जमींदोज कर के सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। प्रशासनिक जांच में उक्त जमीन सरकारी अभिलेखों में दर्ज थी। इस पर अवैध रूप से कब्जा कर के मजार बनाई गई थी। इन अवैध निर्माण को लेकर पहले ही नोटिस जारी किए जा चुके थे। नोटिस का जवाब नहीं मिलने पर प्रशासन की ओर से जरूरी अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई की गई। इसके लिए सभी जरूरी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया गया। कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग, पुलिस विभाग और संबंधित अधिकारियों की मौजूदगी में शांतिपूर्ण ढंग से अतिक्रमण हटाया गया।

सड़क निर्माण में करोड़ों के भ्रष्टाचार का आरोप

देहरादून। राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी ने चमोली जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण में बड़े भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। पार्टी ने इस मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। प्रेस क्लब में पत्रकारों से बातचीत में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव प्रसाद सेमवाल ने चमोली जिले की थराली विधानसभा के अंतर्गत कंडवाल गांव से कफूली मल्ला मोटर मार्ग निर्माण में 16 करोड़ के बजट को डकारने का सनसनीखेज आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यह कार्य ब्रिडकुल के अंतर्गत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत स्वीकृत था। आरोप लगाया कि ठेकेदार को शत–प्रतिशत भुगतान कर दिया गया है, जबकि धरातल पर महज 2–3 किलोमीटर ही घटिया काम हुआ है।

उन्होंने अधिकारियों पर पिछले तीन साल से झूठी कंप्लीशन रिपोर्ट भेजने का आरोप लगाते हुए इन्हें तत्काल निलंबित करने और फाइलों को सील करने की मांग की। पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष सुलोचना इष्टवाल ने कहा कि ठेकेदार ने एक साल से काम बंद कर रखा है और अधिकारी जनता का फोन तक नहीं उठाते।

राष्ट्रीय खिलाड़ी पर कुत्ता छोड़ने पर पड़ोसियों के बीच मारपीट

देहरादून। शहर कोतवाली क्षेत्र के खुड़बुड़ा मोहल्ले में कुत्ता छोड़ने के आरोप में सोमवार सुबह पड़ोसियों के बीच जमकर बवाल और मारपीट हुई। मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर क्रॉस मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। राष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी नीलम श्रीवास्तव का आरोप है कि जब वह सुबह सामान लेने जा रही थी तब पड़ोसी अशोक सहगल, सुनैना सहगल और तनु ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया। उनके बाल पकड़कर घसीटा गया और पास खड़ी गाड़ियों पर पटका गया, जिससे उन्हें गंभीर अंदरूनी चोटें आई हैं। वही दूसरे पक्ष से अशोक सहगल ने आरोप लगाया है कि उनकी पड़ोसी नीलम श्रीवास्तव ने उनके आठ वर्षीय बेटे पर अपना कुत्ता छोड़ दिया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री मदन दिलावर ने की शिष्टाचार भेंट

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री (स्कूल शिक्षा, पंचायती राज एवं संस्कृत शिक्षा) मदन दिलावर ने शिष्टाचार भेंट की।भेंट के दौरान उनके मध्य शिक्षा, पंचायती राज संस्थाओं के सशक्तीकरण, भारतीय संस्कृति एवं संस्कृत भाषा के संरक्षण और संवर्धन सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर विचार–विमर्श हुआ।

इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था, ग्रामीण विकास तथा स्थानीय स्वशासन को और अधिक प्रभावी बनाने के विषयों पर भी चर्चा की गई।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखण्ड में नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, विद्यालयी शिक्षा के सुदृढ़ीकरण, डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने तथा पंचायतों को सशक्त बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की।

शिक्षक योग को जन-जन तक पहुंचने में सक्रिय भूमिका निभाएं

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार के राज्य पोषित बीएड विभाग के तत्वावधान में ईपीसी-4 के अंतर्गत स्ट्रेस मैनेजमेंट और पर्सनलटी डेवलपमेंट विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय योग कार्यशाला मंगलवार को शुरू हो गई है। कार्यशाला के प्रथम दिवस में योग प्रशिक्षक ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न योगाभ्यास, ज्ञान एवं व्यक्तित्व विकास से संबंधित गतिविधियां करवाई। इस मौके पर प्राचार्य ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते मानसिक दबाव और प्रतिस्पर्धा के दौर में योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि मानसिक संतुलन भी प्रदान करता है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भावी शिक्षक योग को जन-जन तक पहुंचने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के संरक्षक एवं प्राचार्य डॉ. डी.एस नेगी, बी.एड. विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आर. एस. चौहान महाविद्यालय के योग प्रशिक्षक डॉ. अनुपम कोठारी, शारीरिक शिक्षा विभाग के प्राध्यापक डॉ. संदीप किमोठी, डॉ. हीरा सिंह द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रचलित कर किया गया। विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ. आर.एस. चौहान ने अपने वक्तव्य में कहा कि एक शिक्षक के लिए अपने विषय के ज्ञान के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य भी आवश्यक है। कार्यक्रम संयोजक डॉ. बी.सी. शाह ने अपने संबोधन में कहा कि योग कार्यशाला केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्वयं को समझने मानसिक संतुलन स्थापित करने तथा व्यक्तित्व निखारने की एक सार्थक पहल है। उन्होंने कार्यशाला को पाठ्यक्रम, स्वास्थ्य एवं शिक्षा के लिए बहुत जरूरी बताया। इस मौके पर कार्यशाला संयोजक डॉ. बी.सी. शाह, डॉ. सुषमा भट्ट थलेड़ी, डॉ. डी.बी. सिंह, डॉ. एस.सी. बहुगुणा, डॉ. सुनीता नौटियाल, डॉ. डी.के. मौर्य आदि मौजूद थे।

तहसील दिवस में 22 शिकायतें दर्ज, दो का निस्तारण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रिखणीखाल ब्लॉक सभागार में मंगलवार को तहसील दिवस का आयोजन किया गया। तहसील दिवस में कुल 22 शिकायतें दर्ज की गईं। दो शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतें संबंधित विभागों को निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। उपजिलाधिकारी लैंसडौन शालिनी मौर्य की अध्यक्षता में हुई तहसील दिवस की कार्रवाई में ग्रामीणों ने विभिन्न समस्याओं को उठाते हुए समाधान की मांग की। ग्राम पंचायत सिमलसैंण की प्रधान रिंकी देवी ने क्षतिग्रस्त सिमलसैंण-रिखणीखाल खच्चर मार्ग की मरम्मत कराने की मांग की। पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजेंद्र सिंह रावत ने वड्डाधार स्थित आईटीआई रिखणीखाल में प्रशिक्षण कार्य शुरू कराने का मुद्दा उठाया। डाबरी के प्रधान हरेंद्र सिंह नेगी ने डाबरी वल्ली गांव में सामुदायिक भवन निर्माण की मांग रखी। पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य अनिल रावत ने किल्बोखाल-छानीखाल मार्ग पर किल्बोखाल से सुल्मोड़ीखाल के बीच क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत और रिखणीखाल-किल्बोखाल मोटर मार्ग निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की। बयेला तल्ला निवासी राजेंद्र प्रसाद सुंद्रियाल ने बनगढ़-किल्बोखाल पुरानी पेयजल योजना की मरम्मत कराने की मांग की।

कार्यालय उपजिलाधिकारी थलीसैंण/बीरोखाल जनपद गढ़वाल

संख्या -26/र0का0-कोटे0 2025-2026/ थलीसैंण दिनांक 29 मई 2026

सार्वजनिक कोटेशन सूचना

आयुक्त एवं सचिव, मा0 राजस्व परिषद, उत्तराखण्ड देहरादून के पत्र संख्या 626/VI-52 रा0प0/2022-23 दिनांक 20 अक्टूबर 2025 के द्वारा भूमि संसाधन विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार स्तर से डिजिटल इण्डिया लैण्ड रिकार्ड मार्डनाईजेशन प्रोगाम (DILRMP) योजनान्तर्गत तहसील बीरोखाल में मार्डन रिकार्ड रूम स्थापित किये जाने हेतु आवंटित धनराशि के क्रम में जिलाधिकारी महोदया, पौड़ी गढ़वाल के पत्र संख्या- 246 (1)/7-भूलेख (2025-26) दिनांक पौडी फरवरी 20, 2026 के द्वारा तहसील बीरोखाल में मार्डन रिकार्ड रूम की स्थापना हेतु चयनित कक्ष की मरम्मत किये जाने हेतु उपजिलाधिकारी थलीसैण/पौडी के पदेन खाता संख्या 11706236263 में 3,00000.00 (तीन लाख रू0) की धनराशि उपलब्ध करायी गयी है, जिससे तहसील बीरोखाल मे मार्डन रिकार्ड रूम की स्थापना हेतु मरोम्मत का कार्य किया जाना है।

उक्त मार्डन रिकार्ड रूम के मरम्मत हेतु कोटेशन/निविदा 15 दिनों के अन्दर आमत्रित किये जाते हैं, सभी पंजीकृत फर्मों को सूचित किया जाता है कि नियत समयन्दर अपने कोटेशन/निविदा कार्यालय में व्यक्तिगत /पंजीकृत डाक से जमा कर सकते हैं, कोटेशन आपकों 15 दिन अन्दर नियत तिथि से सूचित कर गठित समिति के सदस्यों के समक्ष खोले जाएगें, निविदा में भाग लेने हेतु शर्ते निम्नवत हैं।

1- निविदाकर/ठेकेदार का किसी भी राजकीय विभाग में ठेकेदारी का पंजीकरण/जी0एस0टी में पंजीयन होना अनिवार्य होगा, तथा उक्त प्रमाण पत्रो को संलग्न कराना होगा।
2- निविदाकार द्वारा फार्म फीस रू0-500.00 एवं 18 प्रतिशत जी0एस0टी0 कुल 590.00 को नगद /ड्राफ्ट उपजिलाधिकारी थलीसैण/बीरोखाल के नाम देय हो संलग्न करना अनिवार्य होगा।
3- प्राप्त निविदा को स्वीकृत / अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकारी उपजिलाधिकारी थलीसैण/बीरोखाल का होगा।
4- सबसे न्यून राशि की निविदा ही स्वीकार की जायेगी।
5- किसी भी विवाद के निपटान हेतु क्षेत्राधिकार उपजिलाधिकारी थलीसैण/बीरोखाल का होगा।
6- विलम्ब से प्राप्त निविदा पर कोई विचार नही किया जायेगा।
7- कार्यदेश जारी होने के 15 दिन अन्दर कार्य पूर्ण करना होगा।
8- भुगतान के समय 2 प्रतिशत आयकर एवं 10 प्रतिशत धरोहर राशि की कटोती की जायेगी।
9- कार्य का भुगतान तकनीकी जॉच के पश्चात सन्तोष जनक पाये जाने पर एम0बी0 के अनुसार किया जायेगा।
10- निविदाकार को रू-100.00 जूडिशियल स्टाम्प जो कि नोटरी द्वारा स्थापित हो जमा करना अनिवार्य होगा।
11- निविदाकार को उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली-2025 के प्रस्तर-8 (1) के अनुसार कार्यपूर्ति धनराशि के रूप में 3 प्रतिशत की धनराशि की सी0डी0आर0/एफ0डी0आर/बैक ड्राफ्ट उपजिलाधिकारी बीरोखाल के नाम बन्धक रखना अनिवार्य होगा, जिसकी अवधि 90 दिनो तक के लिये वैध होनी अनिवार्य होगी।

(कृष्णा त्रिपाठी)
उपजिलाधिकारी
थलीसैंण /वीरोंखाल ।

नैनीडांडा ब्लॉक के चार गांवों में पेयजल संकट, स्रोत से पानी ढो रहे ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भारी बारिश होने से नैनीडांडा ब्लॉक के चोरगढ़ पेयजल योजना ठप होने से संकट गहरा गया है। ग्रामीणों को करीब दो किलोमीटर दूर स्रोतों से पानी ढोना पड़ रहा है। पेयजल योजना ठप होने से सबसे अधिक परेशानी महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को हो रही है, जिन्हें पेयजल के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। ग्रामीणों ने पेयजल योजना की शीघ्र मरम्मत कर आपूर्ति बहाल करने की मांग की है।

पूर्व प्रधान मनवर सिंह रावत, केशर सिंह, हेमराज, किशोरी लाल और बलवंत सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 1986-87 में तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार ने ठिठोली, चोरगढ़ मल्ला, चोरगढ़ तल्ल और डोलिया गांवों की पेयजल समस्या को देखते हुए चोरगढ़ पेयजल योजना को स्वीकृति दी थी। योजना के निर्माण के बाद वर्षों तक इन गांवों में पेयजल आपूर्ति सुचारू रूप से होती रही। ग्रामीणों के अनुसार, जल जीवन मिशन के तहत पिछले वर्ष योजना का जीर्णोद्धार भी किया गया था लेकिन शुक्रवार रात मूसलाधार बारिश के कारण जल स्रोत प्रभावित हो गया और पाइपलाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई। इसके चलते चारों गांवों में पेयजल आपूर्ति पूरी तरह

बंद हो गई है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से तत्काल मरम्मत कार्य कराकर पेयजल आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे धुमाकोट तहसील मुख्यालय में धरना-प्रदर्शन करेंगे। वहीं अजय बेलवाल अधिशासी अभियंता, पेयजल निगम द्वितीय शाखा, कोटद्वार का कहना है कि मामला अभी संज्ञान में आया है। संबंधित जेई को मौके पर भेजकर पेयजल लाइन की मरम्मत करा प्रभावित गांवों में पेयजल आपूर्ति जल्द सुचारू कर दी जाएगी।

छात्रों की रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

श्रीनगर गढ़वाल : अजीम प्रेमजी फाउंडेशन और रोटरी क्लब श्रीनगर के संयुक्त तत्वावधान में नंदन नगर पालिका जूनियर हाईस्कूल में आयोजित सात दिवसीय ग्रीष्मकालीन रचनात्मक बाल शिविर रंग-तरंग का मंगलवार को उत्साहपूर्ण माहौल में समापन हो गया। समापन अवसर पर बच्चों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों की खूब सराहना बटोरी। शिविर के अंतिम दिन प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने गुड टच और बैड टच विषय पर आधारित जागरूकता नाटक का प्रभावी मंचन किया। नाटक के माध्यम से बच्चों ने सामाजिक सरोकार से जुड़े महत्वपूर्ण विषय को सरल और संवेदनशील तरीके से प्रस्तुत किया। दूसरे सत्र में दंत चिकित्सक डॉ. के.के. गुप्ता ने दंत स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को दांतों की देखभाल के प्रति जागरूक करते हुए नियमित जांच और स्वच्छ आदतों के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके बाद उन्होंने प्रतिभागी बच्चों का दंत परीक्षण भी किया।

हनुमान चालीसा पाठन में कामिनी ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भारत विकास परिषद कोटद्वार के तत्वावधान में सीजे पब्लिक स्कूल गोविन्दनगर में संस्कार कार्यक्रम के अंतर्गत हनुमान चालीसा पाठन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा पांच तक के बच्चों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में कामिनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

स्कूल परिसर में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती रेणू माहेश्वरी व परिषद के अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रेणू माहेश्वरी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से बच्चों के अन्दर धार्मिक भावना जागृत होती है। परिषद के अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल ने कहा कि परिषद का उद्देश्य बच्चों के अन्दर प्रतिस्पर्धात्मक भावना तथा संस्कार पैदा करना है। इस मौके पर राजदीप माहेश्वरी, तोताराम पांथरी, मीनाक्षी शर्मा, सचिव प्रदीप अग्रवाल, विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती कुसुम सुंदली ने विचार व्यक्त किए। हनुमान

चालीसा पाठन प्रतियोगिता में कामिनी, सूरज, अंशिका ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता की निर्णायक भूमिका में बीना मित्तल व शीला कुकरेती रही। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती निधि गुप्ता ने किया। इस अवसर पर भारत विकास परिषद कोटद्वार की संस्कार प्रमुख निधि गुप्ता, सचिव प्रदीप अग्रवाल, महिला संयोजिका बीना मित्तल, सुनीता अग्रवाल, सुनीता ऐरन, वीणा कुकरेती, शीला कुकरेती, राजकमल महेश्वरी, गोपाल बंसल, सुनील गुप्ता, प्रणव आदि मौजूद थे।

विपिन और योगेश बनें पीसीएस अधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विकासखंड पाबौ के दूरस्थ गांव उल्ली के विपिन सिंह ने राज्य कर अधिकारी के पद पर नंबर-एक रैंक प्राप्त की है। विपिन बतातें हैं कि बचपन में ही माता-पिता का साया सिर से उठ गया था। मौसी पुष्पा देवी ने ही अपने बच्चों से भी अधिक प्यार देकर पाला।

खेतीबाड़ी कर मौसी ने गांव में ही अच्छी शिक्षा दिलाई। गांव के सरकारी विद्यालयों से ही हाईस्कूल और फिर इंटरमीडिएट प्रथम श्रेणी पर पास की, जबकि बीएससी पीसीएम बीजीआर परिसर पौड़ी से उर्त्तीण की। दोस्त व भाई अतुल रौथांण, योगेंद्र व विपिन ने बुरे समय में हाथ थामे रखा और वित्तीय सहायता भी मुहैया कराई। विपिन बताते हैं कि बेहद आर्थिक तंगी में पठन पाठन किया, कोचिंग तो सपना ही रही लेकिन किताबें और सही दोस्तों के मार्गदर्शन में दिन रात एक कर पीसीएस में राज्य कर अधिकारी की रैंक-एक प्राप्त कर ली। मनमांगी मुराद पुरी हुई तो चमोली स्थित गोपीनाथ मंदिर में आशीर्वाद लेने पहुंच गया। मुख्यालय के पेट्रोल पंप मोहल्ला निवासी योगेश बड़थ्वाल ने उत्तराखंड पीसीएस परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। उन्होंने राज्य कर विभाग में सहायक आयुक्त (जीएसटी) के पद पर चयनित होकर जिले का नाम रोशन किया है। एक ओर जहां पहाड़ों से युवा रोजगार, कोचिंग और उच्च शिक्षा के लिए बड़े शहरों का रुख कर रहे हैं, वहीं योगेश ने घर पर ही स्वध्याय और कड़ी मेहनत के बल पर यह सफलता हासिल की है। उनकी उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा बन गई है। योगेश के पिता नीति प्रकाश बड़थ्वाल ने बताया कि योगेश बचपन से ही पढ़ाई के प्रति गंभीर व समर्पित रहा है। उन्होंने 2004 में शहर के सेंट थॉमस कॉन्वेंट स्कूल से हाईस्कूल और 2006 में सेंट थेरेसस स्कूल श्रीनगर से इंटरमीडिएट परीक्षा में टॉपर रहे। योगेश ने जीबी पंत कृषि व प्रौद्योगिक विवि पंतनगर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक किया है। जीबीपंत अभियांत्रिकी व प्रौद्योगिकी संस्थान घुड़दौड़ी से एमटेक में गोल्ड मेडलिस्ट रहे।

स्कूटी-कार की हुई भिड़ंत, दो गंभीर घायल

श्रीनगर गढ़वाल : बदरीनाथ-श्रीनगर हाईवे पर श्रीनगर के पास स्कूटी-कार की भिड़ंत में दो लोग घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है।बदरीनाथ-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार सुबह डैम साइट श्रीनगर के ऊपर एक स्कूटी और कार की टक्कर में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 9:30 बजे रुद्रप्रयाग की ओर से आ रही स्कूटी श्रीनगर से रुद्रप्रयाग जा रही कार से भिड़ंत हो गई। हादसे में स्कूटी सवार सागर सिंह राणा पुत्र दिनेश सिंह राणा निवासी ग्राम कोलू, चोपता (रुद्रप्रयाग) तथा कुमारी नितिशा पुत्री स्वर्गीय शेर सिंह नेगी निवासी ग्राम क्यूड़ी, चोपता (रुद्रप्रयाग) गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को पुलिस वाहन एवं निजी वाहन की सहायता से तत्काल बेस हॉस्पिटल श्रीकोट में भर्ती कराया। कोतवाली निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि चिकित्सकों के अनुसार कुमारी नितिशा की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि दोनों का उपचार जारी है।

सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित की गई सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीनें

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : बाल विकास विभाग की ओर से जनपद में सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन स्थापित करने की पहल शुरू की गई है। प्रथम चरण में कलेक्ट्रेट परिसर, विकास भवन व बस स्टेशन में सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीनें स्थापित की गई हैं। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य व सम्मान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीनों की स्थापना महिलाओं को सार्वजनिक स्थानों पर बेहतर व सम्मानजनक सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

आगामी समय में अस्पतालों, विद्यालयों, महाविद्यालयों व अन्य सार्वजनिक संस्थानों में भी सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीनें स्थापित करने की योजना है। इसके अलावा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत कलेक्ट्रेट परिसर व बस अड्डे में नर्सिंग रूम स्थापित किए जाएंगे। इन कक्षों में महिलाओं को अपने शिशुओं को सुरक्षित, स्वच्छ व सुविधाजनक वातावरण में स्तनपान कराने की सुविधा उपलब्ध होगी। जिला कार्यक्रम अधिकारी देवेंद्र थपलियाल ने बताया कि कलेक्ट्रेट, विकास भवन और बस स्टेशन जैसे स्थानों पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में महिलाएं व किशोरियां आती हैं। कई बार आवश्यकतानुसार सैनिटरी पैड उपलब्ध न होने के कारण उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ता है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता पी0एम0जी0एस0वाई0 (सिं0ख) बैजरौ मुख्यालय- सतपुली (गढ़वाल)

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना

Phone No.-+91-1386-297205 E-mail:eepmgsybaijro@rediffmail.com

पत्रांकः- 254 / निविदा पी0एम0जी0एस0वाई0 (सिं0ख0)/26-27 दिनांक 30/05/2026

"अल्प-कालीन निविदा सूचना"

महामहिम राज्यपाल महोदय उत्तराखण्ड की ओर से अद्योहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु सीलबन्द निविदा हेतु दिनांक 15.06.2026 को अपरान्ह 1:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 30.05.2026 से दिनांक 14.06.2026 तक किसी भी कार्य दिवसों में प्रातः 10:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक निम्न कार्यालयों से निर्धारित मूल्य के साथ 18 प्रतिशत जी0एस0टी0 कर देकर प्राप्त किये जा सकते है–

1. अधीक्षण अभियन्ता, पी0एम0जी0एस0वाई0 वृत्त, लो0नि0वि0 श्रीनगर गढ़वाल।
2. कार्यालय अधिशासी अभियन्ता पी0एम0जी0एस0वाई0 (सिं0ख0) बैजरों मु0-सतपुली।
3. कार्यालय अधिशासी अभियन्ता पी0एम0जी0एस0वाई0 (सिं0ख0) सतपुली मु0-कोटद्वार।

तथा दिं0 15.06.2026 को 1:00 बजे तक कार्यालय अधिशासी अभियन्ता पी0एम0जी0एस0वाई0 (सिं0ख0) बैजरों मु0-सतपुली में डाले जा सकते है। निविदा दिनांक 15.06.2026 को 3:00 बजे उपस्थित प्राप्त निविदादाताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष गठित निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। किसी भी निविदा को स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

क्र0 सं0	मार्ग का नाम	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य +18% जी.एस.टी.	निविदा की वैधता	कार्य की अवधि	ठेकेदार पंजीकरण श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि 2025.26 के सापेक्ष प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत बेदीखाल-भदोली मोटर मार्ग के किमी 7.15 में मकान की सुरक्षा हेतु सुरक्षात्मक कार्य।	रु0 37000.00	1500+18% GST	45 दिन	03 माह	डी एवं उच्चतम
2	आपातकालीन निधि 2025.26 में जनपद पौड़ी में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत मैठाणाघाट से ग्वीन रसिया महादेव मोटर मार्ग में आपदा से क्षतिग्रस्त मार्ग का मरम्मत एवं सुरक्षात्मक कार्य।	रु0 44000.00	1500+18% GST	45 दिन	03 माह	डी एवं उच्चतम
3	आपातकालीन निधि 2025.26 में जनपद पौड़ी में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत चौखाल-जसपुरखाल-भंडेली मोटर मार्ग में आपदा से क्षतिग्रस्त मार्ग का मरम्मत एवं सुरक्षात्मक कार्य।	रु0 71000.00	2000+18% GST	45 दिन	05 माह	डी एवं उच्चतम

निविदा के साथ वांछित धरोहर धनराशि, एन0एस0सी0, डाकघर बचत पासबुक अथवा राष्ट्रीयकृत / शिड्यूल्ड बैंक की एफ.डी.आर. के रूप में जो कि अधिशासी अभियन्ता पी0एम0जी0एस0वाई0 (सिं0ख0) बैजरों मु0-सतपुली के पदनाम से बन्धक हो लगाना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त निविदा प्रपत्र के साथ रू0 100.00 का नॉन जूडिशियल स्टाम्प पेपर रू0 1.00 का रसीदी टिकट लगाकर वैधता की शर्तों के साथ ठेकेदार द्वारा हस्ताक्षर कर संलग्न करना अनिवार्य होगा।

निविदादाता निविदा डालने से पूर्व निविदा प्रपत्रों के साथ कार्यस्थल का भली भांति अध्ययन कर लें। निविदा प्रपत्र केवल पंजीकरण प्रमाण पत्र दिखाने पर विक्रय किये जायेंगे एवं छायाप्रति निविदा के साथ लगानी होगी। निविदा शुल्क और जी.एस.टी. की धनराशि अधिशासी अभियन्ता पी0एम0जी0एस0वाई0 (सिं0ख0) बैजरों मु0-सतपुली के पक्ष में अलग अलग ड्राफ्ट के माध्यम से निविदा जमा करने की अवधि तक जमा किया जायेगा।

उपरोक्त निविदा से सम्बन्धित अवशेष जमानती धनराशि न्यूनतम निविदादाता के नाम Acceptance जारी होने के पश्चात अनुबन्ध गठित करने से पूर्व एन0एस0सी0. डाकघर बचत पासबुक अथवा राष्ट्रीयकृत / शिड्यूल्ड बैंक की एफ.डी.आर. के रूप में जो कि अधिशासी अभियन्ता पी0एम0जी0एस0वाई0 खण्ड (सिं0ख0) बैजरों मु0-सतपुली के पदनाम से बन्धक कर अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में जमा करनी होगी।

सामान्य जमानत धनराशि (जी0एस0) एवं अन्य निविदाओं/अनुबन्धों में लगी जमानत राशि, जो अवमुक्त नहीं है, भले ही वह अधिक धनराशि का क्यों न हो, के विरुद्ध निविदा मान्य नहीं होगी। GST व सभी प्रकार के करों हेतु निविदा/अनुबन्ध के समयावधि में प्रचलित दरें लागू होंगी। निविदा की अन्य शर्तें / नियम, निविदा प्रपत्रों के साथ देखे जा सकते है।

विभागीय दरों से कम दरों पर प्राप्त निविदाओं पर नवीनतम शासनादेश के अनुसार परफार्मेन्स सिक्योरिटी तथा अतिरिक्त परफार्मेन्स सिक्योरिटी की व्यवस्था लागू होगी जो अनुबन्ध गठित करते समय जमा करनी होगी।

निविदाओं हेतु नियमावली जी0पी0डब्लू0-8, जी0पी0डब्लू0-9, टेन्डर नोटिस फार्म 69/70 एवं शासनादेश सं0 2611/III (2)/07-75 (सामान्य) 2000 दि0 26.10.07 एवं शिड्यूल बी के अनुसार होंगी। सशर्त निविदायें मान्य नहीं होंगी। निर्धारित प्रगति के क्रम में ही अनुपाती रूप से मद वार कार्य का भुगतान धनवाटन के उपरान्त किया जाना सम्भव हो सकेगा।

(इं0 पी.एस. बिष्ट)
अधिशासी अभियन्ता,
पी0एम0जी0एस0वाई0 (सिं0ख0) बैजरौ,
मुख्यालय-सतपुली

संपादकीय

उत्साह और बेचैनी का दौरा

उत्तराखंड में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आगमन से पूर्व ही भाजपा के खेमे में थोड़ी बेचैनी तो नजर आने ही लगी है। सोशल मीडिया पर राहुल गांधी के दौरे को लेकर व्यंग्य भरे पोस्ट किया जा रहे हैं हालांकि इस प्रकार की पोस्ट से कहीं ना कहीं कांग्रेस को ही दौरे के संबंध में लाभ मिलता भी नजर आ रहा है। यह तो तय है कि राहुल गांधी का यह दौरा उत्तराखंड के विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर एक रेखा खींचने का काम करेगा तो वही इस बार उन्होंने जिस प्रकार से भूतपूर्व सैनिकों से संवाद निर्धारित किया है उससे भी भाजपा नेताओं के माथे पर शिकन नजर आ रही है। उत्तराखंड में दो राष्ट्रीय दलों की राजनीति को जोड़कर देखें तो सीधे तौर पर यह दो पार्टियां के वर्चस्व की लड़ाई का शंखनाद है। अभी हाल ही में भाजपा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं की नब्ज टटोल कर गए हैं तो उधर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उत्तराखंड में आ रहे हैं। यह तो दिख ही रहा है कि कांग्रेस का संगठन वर्तमान में भाजपा के संगठन जैसा मजबूत नहीं है और कहीं ना कहीं आंतरिक विवादों से भी जूझ रहा है। हालांकि प्रदेश कांग्रेस संगठन के नेता "डैमेज कंट्रोल" करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं लेकिन अभी तक यह निश्चित नहीं है कि कांग्रेस का नेतृत्व किन हाथों में होगा? इन परिस्थितियों के बीच राहुल गांधी का सीधे कार्यकर्ताओं और नेताओं से संवाद पार्टी के लिए मनोबल एवं कार्यकर्ताओं में ऊर्जा बढ़ाने वाला कदम साबित हो सकता है ।उत्तराखंड में फौजियों की एक बड़ी संख्या है जो कहीं ना कहीं वोट बैंक को भी प्रभावित करते हैं। लिहाजा इस बार अपने दौरे में राहुल गांधी ने खास तौर से सैनिक वर्ग को टारगेट किया है जिसमें युवाओं की भागीदारी भी रहेगी। यदि वोट बैंक का यह बड़ा भाग राहुल गांधी से प्रभावित होता है तो निश्चित तौर पर आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को इसका एक बड़ा लाभ मिल सकता है। भाजपा राहुल गांधी के दौरे को लेकर नकारात्मक प्रतिक्रिया पेश कर रही है जो कि स्वच्छ राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता की दृष्टि से सही नहीं है। निश्चित तौर पर भाजपा के लिए राहुल गांधी का यह दौरा एक बड़ी चुनौती है, इसके असर को निश्चित तौर पर भाजपा नेता भी भांप चुके है। कांग्रेस के आगे इस समय सबसे बड़ी चुनौती अपने ही घर को स्थिर रखने की है, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में कांग्रेस की गतिविधियां देखकर कहीं से यह नहीं लगता कि संगठन एकता एवं प्रतिबद्धता के साथ विधानसभा चुनावों की तैयारी कर रहा है। अग्रिम पंक्ति के नेताओं में ही प्रभुत्व की लड़ाई छिड़ी हुई है और खुद कांग्रेस दो से तीन गुटों में बंटी हुई नजर आ रही है। राहुल गांधी के लिए उत्तराखंड की जनता को कांग्रेस की खूबियां बताने के साथ–साथ अपने संगठन के अंदर छिपे हुए बिखराव और असंतुष्टता को भी कंट्रोल करने की जिम्मेदारी होगी। कुल गुणा–भाग यह है कि नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के दौरे को लेकर जहां एक तरफ भाजपा बेचैन नजर आ रही है तो वही कांग्रेस खेमे के अंदर एकाएक ऊर्जा का संचार नजर आने लगा है। उनका यह दौरा कांग्रेस के लिए चुनावी अभियान की शुरुआती घंटी साबित हो सकता है। बस अब यह देखना है कि खुद को कांग्रेस का खेवनहार समझने वाले वरिष्ठ नेता संगठन के लिए एकजुट होते हैं या फिर गुटबाजी और अवसर की राजनीति से भाजपा की राह आसान करने वाले हैं। इधर उत्तराखंड में एकाएक यूकेडी के सक्रिय होने के बाद कांग्रेस गठबंधन की संभावनाएं भी तलाश सकता है, संभव है इस मसले पर भी बड़े नेताओं के साथ राहुल गांधी की चर्चा हो सकती है।

विश्व साइकिल दिवसः प्रदूषण पर भाषण बहुत हुए, अब घर के कोने से साइकिल निकालिए

दिलीप कुमार पाठक

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जब हर व्यक्ति समय की कमी और तनाव की शिकायत करता है, तब एक बेहद साधारण और किफायती समाधान हमारे सामने खड़ा दिखाई देता है। वह समाधान है - साइकिल। आज 3 जून को पूरी दुनिया विश्व साइकिल दिवस मना रही है। यह दिन किसी आधुनिक आविष्कार का जश्न नहीं, बल्कि उस सादगी और उपयोगिता को याद करने का अवसर है, जिसे हमने विकास की अंधी दौड़ में कहीं पीछे छोड़ दिया है। जब पूरी दुनिया महंगे ईंधन, ट्रैफिक जाम और जहरीले धुएं से हांफ रही है, तब साइकिल एक सुगम साधन की तरह नजर आती है। यह कोई साधारण सवारी नहीं, बल्कि बिना धुएं वाली वह मूक क्रांति है जो व्यक्ति की सेहत, जेब और धरती तीनों को एक साथ संवार सकती है।

आजकल की जीवनशैली को देखें तो हैरान करने वाली तस्वीरें सामने आती हैं। घर से महज दो कदम दूर सब्जी की दुकान या दूध की डेयरी तक जाने के लिए भी लोग तुरंत मोटरसाइकिल या कार की चाबी उठा लेते हैं। नतीजा यह हुआ है कि शहरों की हवा भारी हो चुकी है, सड़कों पर पैदल चलने की जगह नहीं बची और इंसानी शरीर बीमारियों का घर बनता जा रहा है। लोग शारीरिक रूप से खुद को फिट रखने के लिए हर महीने जिम में हजारों रुपये खर्च करते हैं और एक ही जगह खड़े होकर ट्रेडमिल पर दौड़ते हैं। जबकि इसका सबसे आसान और प्राकृतिक विकल्प हमारी दिनचर्या में ही छुपा है। सुबह या शाम को सिर्फ आधा घंटा साइकिल चलाना दिल को मजबूत करता है, मानसिक तनाव को कम करता है और शरीर को ऊर्जा से भर देता है।साइकिल की सबसे खूबसूरत बात यह है कि यह समाज में किसी भी तरह का भेदभाव नहीं करती। इसके लिए न तो महंगे पेट्रोल-डीजल की जरूरत होती है और न ही किसी भारी-भरकम मेंटेनेंस या सर्विसिंग के खर्च की। यह आत्मनिर्भरता और बचत का सबसे पहला और सच्चा पाठ पढ़ाती है। आज जब ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर समस्याएं पूरी दुनिया के लिए चुनौती बनी हुई हैं, तब साइकिल जमीन पर उतरकर इसका व्यावहारिक समाधान देती है। अगर किसी भी शहर का हर तीसरा व्यक्ति अपने छोटे-मोटे स्थानीय कामों के लिए गाड़ियों को छोड़कर साइकिल का इस्तेमाल करना शुरू कर दे, तो वायु प्रदूषण और ट्रैफिक की समस्या काफी हद तक हल हो सकती है।कई विकसित देशों ने इस बात को गहराई से समझा है और साइकिल को अपनी मुख्य जीवनशैली का हिस्सा बनाया है। वहाँ बड़े-बड़े अधिकारी और सजग नागरिक गर्व से साइकिल से दफ्तर जाते हैं। हमारे देश में भी अब धीरे-धीरे जागरूकता बढ़ रही है और शहरों में साइकिलिंग ग्रुप्स का चलन देखने को मिल रहा है। हालांकि, इस बदलाव को एक राष्ट्रव्यापी मुहिम बनाने के लिए हमें अपनी मानसिकता और बुनियादी ढांचे दोनों में सुधार करना होगा। आज भी हमारे शहरों की सड़कें सिर्फ बड़ी और तेज रफ्तार गाड़ियों के हिसाब से बनाई जाती हैं। साइकिल चालकों के लिए अलग सुरक्षित लेन न होने के कारण लोग सड़कों पर निकलने से कतराते हैं। सरकारों को शहरी नियोजन में साइकिल ट्रैक को प्राथमिकता देनी होगी।इसके साथ ही, समाज को इस संकुचित सोच से भी बाहर निकलना होगा कि साइकिल सिर्फ उन लोगों के लिए है जो गाड़ी नहीं खरीद सकते। साइकिल चलाना पिछड़ेपन की नहीं, बल्कि एक बेहद जागरूक, समझदार और आधुनिक नागरिक होने की पहचान है। इस विश्व साइकिल दिवस पर हमें केवल औपचारिक संदेश भेजने के बजाय एक छोटा सा व्यावहारिक संकल्प लेना चाहिए। तय करें कि सप्ताह में कम से कम एक या दो दिन हम अपनी गाड़ियों को आराम देंगे और नजदीकी कामों के लिए साइकिल की सवारी करेंगे। जब आपकी साइकिल का पहिया घूमता है, तो देश की सेहत और पर्यावरण का पहिया भी सही दिशा में आगे बढ़ता है।

क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता कोरा बुलबुला है या वास्तविक चुनौती?

ललित गर्ग

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसी क्रांतियां हुई हैं जिन्होंने जीवन की दिशा और दशा दोनों को बदल दिया। कृषि क्रांति ने मनुष्य को स्थायित्व दिया, औद्योगिक क्रांति ने उत्पादन और श्रम की परिभाषा बदली, सूचना क्रांति ने ज्ञान और संचार की सीमाएं समाप्त कर दीं। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की क्रांति मानव इतिहास के एक नए मोड़ पर खड़ी है। यह केवल एक तकनीकी परिवर्तन नहीं है, बल्कि मनुष्य की बुद्धि, निर्णय क्षमता, रोजगार, सामाजिक संरचना, शासन व्यवस्था और यहां तक कि उसके अस्तित्व और अस्मिता से जुड़ा प्रश्न बन चुकी है। यही कारण है कि आज विश्वभर में यह बहस तेज हो रही है कि क्या एआई मानव जीवन के लिए वरदान सिद्ध होगी या वह धीरे-धीरे मनुष्य के महत्व को ही चुनौती देने लगेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल मशीनों को चलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह उन कार्यों को भी करने लगी है जिन्हें लंबे समय तक केवल मनुष्य की विशिष्ट क्षमता माना जाता था। लेखन, चित्र निर्माण, संगीत रचना, रोगों का निदान, न्यायिक विश्लेषण, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रशासनिक निर्णय जैसे क्षेत्रों में इसकी बढ़ती उपस्थिति ने अनेक नए प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि मशीनें सोचने, सीखने और निर्णय लेने लगेंगी तो मनुष्य की विशिष्टता क्या रह जाएगी? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और नैतिक भी है।

मानव अस्मिता का आधार उसकी चेतना, संवेदना, रचनात्मकता और नैतिक विवेक है। एआई के पास विशाल सूचनाओं का भंडार और तीव्र गणनात्मक क्षमता अवश्य है, लेकिन उसके पास अनुभवजन्य चेतना, करुणा, आत्मबोध और मूल्यबोध नहीं है। फिर भी जब मशीनें कविता लिखती हैं, चित्र बनाती हैं और संवाद करती हैं, तब यह भ्रम उत्पन्न होने लगता है कि वे मनुष्य का स्थान ले सकती हैं। वास्तव में चुनौती यह नहीं है कि मशीनें मनुष्य बन जाएंगी, बल्कि यह है कि कहीं मनुष्य स्वयं मशीनों की तरह व्यवहार करने न लगे। यदि जीवन का प्रत्येक निर्णय गणनात्मक दक्षता और आंकड़ों के आधार पर होने लगे, तो मानवीय संवेदनाएं और नैतिक मूल्य हाशिये पर जा सकते हैं। इसी संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उभरता है कि क्या भविष्य में एक नई मानव संरचना का निर्माण होगा? विश्व के अनेक वैज्ञानिक और तकनीकी चिंतक यह मानते हैं कि आने वाले दशकों में जैविक मनुष्य और डिजिटल तकनीक के बीच की दूरी लगातार कम होगी। मस्तिष्क और कंप्यूटर के प्रत्यक्ष संपर्क, कृत्रिम अंगों, स्मृति-विस्तार तकनीकों और जैव-तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से एक ऐसे युग की कल्पना की जा रही है जहां मनुष्य और मशीन का सम्मिलित स्वरूप विकसित हो सकता है। यह संभावना जितनी आकर्षक दिखाई देती है, उतनी ही चिंताजनक भी है। यदि तकनीकी रूप से उन्नत मनुष्य और सामान्य मनुष्य के बीच गहरी खाई बन गई तो सामाजिक असमानता का एक नया रूप सामने आ सकता है।

एआई के बढ़ते प्रभाव के साथ रोजगार और अर्थव्यवस्था में भी व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। अनेक क्षेत्रों में नियमित और दोहराव वाले कार्य मशीनों द्वारा किए जाने लगे हैं। इससे यह आशंका उत्पन्न हुई कि बड़ी संख्या में रोजगार समाप्त हो जाएंगे। विश्व की कई बड़ी तकनीकी कंपनियों ने लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के नाम पर कर्मचारियों की संख्या घटाई है। किंतु हाल के अनुभव यह भी बताते हैं कि एआई मानव श्रम का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकी है। जटिल निर्णय, नवाचार, मानवीय संबंधों का प्रबंधन और परिस्थितिजन्य विवेक जैसे क्षेत्रों में मनुष्य की भूमिका अभी भी केंद्रीय बनी हुई है। यहीं पर वैश्विक शोध संस्था गार्टनर की हालिया रिपोर्ट विशेष महत्व रखती है। गार्टनर ने अपनी नवीनतम विश्लेषणात्मक रिपोर्ट में संकेत दिया है कि एआई अब अत्यधिक अपेक्षाओं के शिखर से आगे बढ़कर मोहभंग के चरण में प्रवेश कर रही है। अनेक कंपनियों ने इससे तत्काल आर्थिक लाभ और उत्पादकता में चमत्कारी वृद्धि की उम्मीद की थी, लेकिन वास्तविक परिणाम अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं मिले। परियोजनाओं की ऊंची लागत, आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं, गलत या भ्रामक उत्तर देने की प्रवृत्ति और स्पष्ट उपयोगिता सिद्ध न कर पाने जैसी समस्याएं सामने आई हैं। रिपोर्ट में यह आशंका भी व्यक्त की गई है कि लगभग एक-तिहाई परियोजनाएं प्रारंभिक चरण के बाद बंद हो सकती हैं क्योंकि वे अपने निवेश के अनुरूप परिणाम देने में असफल रही हैं। यह निष्कर्ष इस धारणा को चुनौती देता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता तत्काल सभी समस्याओं का समाधान बन जाएगी।

हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि एआई एक अस्थायी बुलबुला है जो शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा। इतिहास बताता है कि हर बड़ी तकनीकी क्रांति के प्रारंभिक चरण में उत्साह और अतिशयोक्ति दोनों मौजूद रहते हैं। बाद में वास्तविक उपयोगिता के आधार पर उसका संतुलित विकास होता है। इंटरनेट के साथ भी यही हुआ था। प्रारंभिक उत्साह के बाद अनेक कंपनियां समाप्त हो गईं, लेकिन इंटरनेट स्वयं विश्व व्यवस्था का आधार बन गया। एआई के साथ भी कुछ ऐसा ही होने की संभावना है। अतः इसका अतिशयोक्तिपूर्ण महिमामंडन भी उचित नहीं है और इसके शीघ्र समाप्त हो जाने की कल्पना भी यथार्थवादी नहीं है। व्यापार जगत में एआई की भूमिका निरंतर बढ़ेगी। उत्पादन, विपणन, ग्राहक सेवा, वित्तीय विश्लेषण और आपूर्ति प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका व्यापक उपयोग होगा। इससे कार्यों की गति और दक्षता बढ़ेगी, किंतु साथ ही कार्यबल के स्वरूप में परिवर्तन आएगा। भविष्य में केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि समस्या समाधान, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और भावनात्मक समझ जैसे गुण अधिक महत्वपूर्ण बनेंगे। इसलिए शिक्षा और कौशल विकास की पूरी व्यवस्था को नए सिरे से तैयार करना होगा। प्रशासनिक क्षेत्र में भी एआई शासन को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने की क्षमता रखती है। नीतिगत विश्लेषण, संसाधनों का वितरण, स्वास्थ्य और शिक्षा योजनाओं का संचालन तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग लाभकारी हो सकता है। लेकिन इसके साथ एक बड़ा खतरा भी जुड़ा है। यदि नागरिकों के व्यक्तिगत आंकड़ों का अत्यधिक संग्रह और विश्लेषण होने लगे तो निजता और स्वतंत्रता पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। इसलिए तकनीकी दक्षता और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक होगा। सैन्य क्षेत्र में एआई का प्रयोग सबसे अधिक चिंताजनक माना जा रहा है। स्वायत्त हथियार प्रणालियां, मानव रहित युद्धक उपकरण और लक्ष्य चयन करने वाली मशीनें युद्ध की प्रकृति को पूरी तरह बदल सकती हैं। यदि किसी मशीन को जीवन और मृत्यु का निर्णय करने की शक्ति मिल जाए तो नैतिक और मानवीय प्रश्न अत्यंत गंभीर हो जाएंगे। इसलिए विश्व स्तर पर ऐसी तकनीकों के नियमन और नियंत्रण की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है।

इन सबके बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि मानव जीवन सुरक्षित, संतुलित और सार्थक कैसे बना रहे? इसका उत्तर तकनीक के विरोध में नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण उपयोग में निहित है। एआई को मानव जीवन का स्वामी नहीं, सहायक बनाना होगा। शिक्षा प्रणाली में नैतिकता, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों को अधिक महत्व देना होगा। मनुष्य की भावनात्मक बुद्धिमत्ता, करुणा, सहानुभूति और आध्यात्मिक चेतना ही वे क्षेत्र हैं जिन्हें कोई मशीन प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। साथ ही, वैश्विक स्तर पर ऐसे नियमों और नीतियों की आवश्यकता है जो एआई के विकास को मानव कल्याण की दिशा में नियंत्रित करें। यदि यह तकनीक केवल कुछ शक्तिशाली कंपनियों या राष्ट्रों के हितों तक सीमित रह गई तो असमानता और संघर्ष बढ़ सकते हैं। इसके विपरीत यदि इसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक विकास के लिए किया जाए तो यह मानवता के लिए अभूतपूर्व अवसरों का द्वार खोल सकती है।

अंततः एआई न तो पूर्णतः वरदान है और न ही अनिवार्य रूप से अभिशाप। यह एक शक्तिशाली साधन है जिसकी दिशा और परिणाम मनुष्य के विवेक पर निर्भर करेंगे। चुनौती मशीनों से नहीं, बल्कि इस बात से है कि क्या मनुष्य अपनी मानवीयता, संवेदनशीलता और नैतिक चेतना को सुरक्षित रख पाएगा। भविष्य का प्रश्न यह नहीं है कि एआई कितनी शक्तिशाली होगी, बल्कि यह है कि मनुष्य कितना सजग, उत्तरदायी और मूल्यनिष्ठ बना रहेगा। यदि मानवता तकनीकी प्रगति और मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित कर सकी, तो एआई मानव विकास का नया अध्याय लिखेगी अन्यथा वही तकनीक असंतुलन, असमानता और अस्तित्वगत संकट का कारण भी बन सकती है। यही हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौती और सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

बालेन्द्र शाह ने सीमा विवाद सुलझाने के लिए ब्रिटेन को निमंत्रित कर अपनी जगहँसाई करवा ली है

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि नेपाली संसद में बोलते हुए बालेन्द्र शाह ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री बनने के बाद पता चला कि केवल भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई स्थानों पर भारतीय भूमि पर अतिक्रमण किया है।

भारत और नेपाल के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को लेकर चल रहा पुराना सीमा विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है, लेकिन इस बार वजह कोई नया भू-राजनीतिक घटनाक्रम नहीं बल्कि नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की चौंकाने वाली और कई मायनों में अपरिपक्व बयानबाजी बनी है। संसद में उन्होंने ऐसा दावा कर दिया जिसने काठमांडू से लेकर नई दिल्ली तक हलचल मचा दी। हालात इतने असहज हो गए कि कुछ ही घंटों बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय को सफाई देने मैदान में उतरना पड़ा। और विडंबना देखिए, भारत को घेरने की कोशिश में दिया गया बयान नेपाल में ही प्रधानमंत्री के लिए भारी पड़ गया। विपक्ष, पूर्व विदेश मंत्री, पूर्व राजदूत और सीमा विशेषज्ञ तक उनके खिलाफ खड़े हो गए और उनसे सबूत, स्पष्टीकरण, यहां तक कि माफी की मांग होने लगी। सीमा विवाद पर राजनीतिक परिपक्वता दिखाने के बजाय बालेन्द्र शाह की टिप्पणियां ऐसी साबित हुईं जिन्होंने नेपाल की आधिकारिक स्थिति को ही कठघरे में खड़ा कर दिया।

हम आपको बता दें कि नेपाली संसद में बोलते हुए बालेन्द्र शाह ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री बनने के बाद पता चला कि केवल भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई स्थानों पर भारतीय भूमि पर अतिक्रमण किया है। उन्होंने दोनों देशों से तथ्यों का अध्ययन कर मित्रवत तरीके से विवाद सुलझाने की अपील की। उधर, नेपाल में विपक्षी दलों और पूर्व राजनयिकों ने बालेन्द्र शाह की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया दी। नेपाली कांग्रेस की बसना थापा और अन्य नेताओं ने संसद के अभिलेखों से बयान हटाने की मांग की। पूर्व विदेश मंत्री प्रदीप ज्ञवाली ने भी प्रधानमंत्री से माफी मांगने की बात कही। नेपाल के पूर्व राजदूत नीलाम्बर आचार्य और दीप कुमार उपाध्याय ने स्पष्ट कहा कि नेपाल द्वारा भारतीय भूमि पर अतिक्रमण का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। सीमा विशेषज्ञ बुद्धि नारायण श्रेष्ठ ने भी प्रधानमंत्री की बातों को तथ्यात्मक आधार से रहित बताया। इस प्रकार बालेन्द्र शाह का बयान भारत से अधिक नेपाल के भीतर ही विवाद का विषय बन गया।

दरअसल, सीमा विवाद का केंद्र लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा क्षेत्र हैं। नेपाल का दावा है कि सुगौली संधि के अनुसार काली नदी का उद्गम लिम्पियाधुरा से होता है, इसलिए उसके पूर्व का पूरा क्षेत्र नेपाली भूभाग है। दूसरी ओर भारत का कहना है कि काली नदी का वास्तविक उद्गम लिपुलेख दर्रे के नीचे स्थित स्रोतों से होता है और ऐतिहासिक अभिलेखों के अनुसार कालापानी क्षेत्र लंबे समय से उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले का हिस्सा रहा है। यही मूल विवाद दोनों देशों के दावों की जड़ में है।

हम आपको बता दें कि विवाद को हाल में उस समय नया मोड़ मिला जब नेपाल ने लिपुलेख मार्ग से होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा पर आपत्ति जताते हुए भारत और चीन दोनों को कूटनीतिक नोट भेजा। भारत ने इस आपत्ति को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि लिपुलेख मार्ग से कैलाश मानसरोवर यात्रा 1954 से लगातार संचालित हो रही है और यह कोई नया घटनाक्रम नहीं है। भारत ने यह भी दोहराया कि एकतरफा तरीके से क्षेत्रीय दावों का विस्तार न तो ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है और न ही स्वीकार्य है।

उधर, बालेन्द्र शाह के बयान पर विवाद खड़ा होने के बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय ने सफाई देते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री का आशय यह नहीं था कि नेपाल ने आधिकारिक रूप से भारतीय भूमि पर कब्जा किया है। मंत्रालय के अनुसार सीमा के कुछ हिस्सों में सीमा स्तंभों की कमी, दशगजा क्षेत्र और सीमापार भूमि उपयोग जैसी व्यावहारिक समस्याओं के कारण ऐसी स्थितियां उत्पन्न हुई हैं जहां दोनों ओर के लोग एक-दूसरे की जमीन का उपयोग करते रहे हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने यह भी दोहराया कि दोनों देश कूटनीतिक बातचीत, तकनीकी सर्वेक्षण और ऐतिहासिक दस्तावेजों के आधार पर समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

लेकिन सबसे अधिक हैरानी प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के उस सुझाव पर हुई जिसमें उन्होंने सीमा विवाद के समाधान में ब्रिटेन की भागीदारी की बात उठाई। उन्होंने तर्क दिया कि वर्तमान सीमाओं की पृष्ठभूमि औपनिवेशिक काल से जुड़ी है, इसलिए ब्रिटेन को भी इस विषय में रुचि लेनी चाहिए। यह प्रस्ताव न केवल व्यावहारिक दृष्टि से कमजोर माना गया बल्कि नेपाल के भीतर भी इसे अपरिपक्व और अनावश्यक बताया गया। भारत और नेपाल के बीच सीमा विवाद हमेशा द्विपक्षीय ढांचे में चर्चा का विषय रहा है। ऐसे में तीसरे पक्ष को बीच में लाने की बात कूटनीतिक परंपराओं और स्थापित समझ से मेल नहीं खाती।

इसके अलावा, सीमा विवाद जैसे संवेदनशील और पूर्णतः द्विपक्षीय विषय में ब्रिटेन को शामिल करने का सुझाव बालेन्द्र शाह की कूटनीतिक नासमझी का ऐसा सार्वजनिक प्रदर्शन था जिसने कई जानकारों को हैरान कर दिया। भारत दशकों से स्पष्ट करता आया है कि वह अपने किसी भी द्विपक्षीय विवाद में तीसरे पक्ष की मध्यस्थता या दखल को स्वीकार नहीं करता, चाहे मामला पाकिस्तान का हो, चीन का हो या नेपाल का। ऐसे में ब्रिटेन को बातचीत की मेज पर बुलाने का प्रस्ताव शुरू से ही अव्यावहारिक और वास्तविकताओं से कटा हुआ नजर आया। जिस देश ने दो शताब्दियों पहले उपमहाद्वीप छोड़ दिया, उसे आज की सीमा वार्ताओं में घसीटने की कोशिश को कई पर्यवेक्षकों ने राजनीतिक अपरिपक्वता बताया। दिलचस्प यह है कि बालेन्द्र शाह की इस टिप्पणी पर केवल नेपाल में ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन के रणनीतिक और दक्षिण एशियाई मामलों पर नजर रखने वाले हलकों में भी हैरानी जताई गई और इसे अव्यावहारिक सोच का उदाहरण माना गया। कूटनीति की दुनिया में जहां गंभीरता, तैयारी और यथार्थवादी दृष्टिकोण की अपेक्षा की जाती है, वहां बालेन्द्र शाह का यह सुझाव कई लोगों को ऐसा लगा मानो किसी जटिल अंतरराष्ट्रीय विवाद के समाधान के लिए इतिहास की धूल झाड़कर ऐसे पात्रों को मंच पर बुलाने की कोशिश की जा रही हो जिनकी अब उस प्रक्रिया में कोई वास्तविक भूमिका ही नहीं बची है।

देखा जाये तो सामरिक दृष्टि से लिपुलेख क्षेत्र का महत्व अत्यंत गहरा है। यह भारत, नेपाल और चीन के त्रिसीमा क्षेत्र के निकट स्थित है। यह केवल धार्मिक यात्रा का मार्ग नहीं बल्कि हिमालयी क्षेत्र में संपर्क, निगरानी और रणनीतिक पहुंच का महत्वपूर्ण केंद्र भी है। चीन की बढ़ती सक्रियता और हिमालयी क्षेत्र में बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों के बीच यह इलाका राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से और भी संवेदनशील हो गया है। इसलिए इस क्षेत्र से जुड़ा कोई भी राजनीतिक बयान केवल घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं रहता बल्कि उसके व्यापक सामरिक प्रभाव भी होते हैं।

नेपाल के प्रधानमंत्री का बयान इसी कारण अधिक विवादास्पद बन गया। बिना पर्याप्त तैयारी और तथ्यों की मजबूत प्रस्तुति के ऐसे संवेदनशील विषयों पर टिप्पणी करना न केवल कूटनीतिक भ्रम पैदा करता है बल्कि अपने ही देश की आधिकारिक स्थिति को कमजोर भी कर सकता है। यही कारण है कि उनकी टिप्पणियों के तुरंत बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय को स्पष्टीकरण देना पड़ा और देश के अनेक राजनीतिक तथा कूटनीतिक विशेषज्ञों ने उनकी आलोचना की।

बहरहाल, यह पूरा प्रकरण एक महत्वपूर्ण संदेश देता है। भारत और नेपाल के बीच सीमा से जुड़े मतभेद अवश्य हैं, लेकिन दोनों देशों ने बार-बार बातचीत और कूटनीति के माध्यम से समाधान की प्रतिबद्धता जताई है। ऐसे समय में भावनात्मक या बचकाने राजनीतिक बयान समाधान का रास्ता नहीं खोलते, बल्कि अनावश्यक भ्रम और विवाद को जन्म देते हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की हालिया टिप्पणियां इसी का उदाहरण बन गई हैं, जहां भारत पर निशाना साधने की कोशिश से अधिक नुकसान उन्हें अपने ही देश के राजनीतिक और कूटनीतिक हलकों में उठाना पड़ा है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के आयोवा में अंधाधुंध गोलीबारी, सात लोगों की मौत ; पुलिस बोली- घरेलू कलह में नरसंहार

आयोवा (अमेरिका), एजेंसी। अमेरिका के आयोवा राज्य के मस्कटाइन में सोमवार को एक घरेलू विवाद के कारण गोलीबारी हुई। इस घटना में छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस विभाग के अनुसार, बंदूकधारी ने भी खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बंदूकधारी की पहचान 52 वर्षीय रयान विलिस मैकफार्लैंड के रूप में की है। उसने तीन अलग-अलग स्थानों पर छह व्यक्तियों की हत्या की। इसके बाद उसने खुद को भी गोली मार ली। मस्कटाइन पुलिस विभाग को दोपहर करीब 12:12 बजे गोलीबारी की सूचना मिली थी। पुलिस अधिकारी और आपातकालीन चिकित्सा कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। एक घर के अंदर दाखिल होने पर, अधिकारियों ने चार लोगों के शव बरामद किए। सभी को गोली लगी थी। प्रारंभिक निष्कर्षों से पता चला कि गोलीबारी घरेलू विवाद से संबंधित थी। सभी पीड़ित संदिग्ध के परिवार के सदस्य माने जा रहे हैं। पुलिस ने पीड़ितों के नाम और उम्र जारी नहीं किए हैं। संदिग्ध मैकफार्लैंड अधिकारियों के पहुंचने से पहले घर से निकल गया था। कानून प्रवर्तन ने उसे रिवरफ्रंट ट्रेल पर पाया। उसे पैदल यात्री पुल के पास खुद को गोली लगी हुई मिली। अधिकारियों ने उसे चिकित्सा सहायता दी, लेकिन उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जांच के दौरान पुलिस ने एक अन्य घर में एक वयस्क पुरुष को भी मृत पाया। कारोबार स्थल पर भी एक वयस्क पुरुष को मृत पाया गया। मस्कटाइन पुलिस अधीक्षक एंथोनी कीस ने इन मामलों को भी आपराधिक कृत्य बताया। उन्होंने कहा कि संदिग्ध का आपराधिक रिकॉर्ड है। पुलिस ने बताया कि इस वारदात की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

इराक में सैन्य प्रशिक्षण के दौरान अमेरिकी और ब्रिटिश सैनिक की मौत, जानें कैसे हुआ हादसा

वाशिंगटन,एजेंसी। इराक के उत्तरी कुर्द क्षेत्र में एक सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान एक अमेरिकी और एक ब्रिटिश सैनिक की मौत हो गई। अमेरिका और ब्रिटेन के अधिकारियों ने सोमवार को इसकी पुष्टि की, हालांकि दोनों देशों ने घटना से जुड़ी विस्तृत जानकारी फिलहाल सार्वजनिक नहीं की है। अमेरिकी सेना के अनुसार, यह घटना रविवार को इराक के अर्ध-स्वायत्त कुर्द क्षेत्र में स्थित इरबिल एयरबेस पर हुई। अमेरिकी सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में बताया कि मृत अमेरिकी सैनिक की पहचान अभी गोपनीय रखी गई है। सैनिक के परिजनों को सूचना दिए जाने के 24 घंटे बाद ही उसका नाम सार्वजनिक किया जाएगा। वहीं, ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने अलग बयान जारी कर कहा कि ब्रिटिश सैनिक के परिवार को घटना की जानकारी दे दी गई है। मंत्रालय ने परिवार की निजता का सम्मान करने की अपील करते हुए कहा कि अधिक जानकारी साझा करने से पहले उन्हें कुछ समय दिया जाए। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका इराक में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के खिलाफ अभियान के तहत तैनात अपने सैनिकों की संख्या लगातार कम कर रहा है। इसके बावजूद अमेरिकी सेना की कुर्द क्षेत्र में मौजूदगी बनी हुई है। अमेरिका इस क्षेत्र के साथ अपने रणनीतिक और राजनीतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। इसी रणनीति के तहत अमेरिका ने पिछले साल दिसंबर में इरबिल में एक नए और बड़े वाणिज्य दूतावास परिसर का उद्घाटन किया था।

कनाडा में यहूदी समुदाय पर बढ़ रहे हमले', पीएम मार्क कार्नी बोले- सरकार समुदाय की सुरक्षा में नाकाम

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा है कि देश यहूदी समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहा है और यहूदी नागरिक लगातार नफरत तथा हिंसा का शिकार बन रहे हैं। टोरंटो के होली ब्लॉसम टेंपल में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि कनाडा में यहूदी विरोधी घटनाएं द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई हैं। कार्नी ने कहा कि पिछले वर्ष कनाडा में धर्म के आधार पर दर्ज कुल घृणा अपराधों में दो-तिहाई से अधिक मामले यहूदी समुदाय के खिलाफ थे, जबकि देश की कुल आबादी में उनकी हिस्सेदारी केवल 1 प्रतिशत है। उन्होंने माना कि कनाडा का सामाजिक ढांचा यहूदी नागरिकों को पर्याप्त सुरक्षा देने में असफल साबित हो रहा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि यहूदी स्कूलों पर गोलियां चलाई गईं, आराधना स्थलों पर पेट्रोल बम फेंके गए और सामुदायिक केंद्रों को निशाना बनाया गया। इसके अलावा यहूदी स्वामित्व वाले कारोबारों पर हमले हुए और विश्वविद्यालय परिसरों में यहूदी छात्रों को असुरक्षित माहौल का सामना करना पड़ा। कार्नी ने कहा कि यहूदी विरोधी घटनाएं केवल कनाडा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका में भी बढ़ी हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि कनाडा में स्थिति विशेष रूप से गंभीर है और इससे निपटने के लिए लक्षित कदम उठाने की जरूरत है।

ईरान के शांति वार्ता रोकने की खबरों पर ट्रंप बोले- मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता

वाशिंगटन, एजेंसी। इस्राइल में बड़ी संख्या में लोगों ने सेना में अनिवार्य भर्ती के विरोध में सड़कों और ट्रेनों को अवरुद्ध करते हुए पूरे देश में प्रदर्शन किया है। इस विरोध प्रदर्शन के कारण राजमार्ग ठप्प हो गए और यरुशलम और तेल अवीव मेट्रो क्षेत्र दोनों में भारी भीड़ के कारण सार्वजनिक परिवहन बाधित हो गया। इस्राइल में अधिकांश यहूदी पुरुषों और महिलाओं के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य है। हालांकि, अति-रूढ़िवादी दलों ने अपने अनुयायियों को सैन्य सेवा से छूट दिलवाकर धार्मिक शिक्षा संस्थानों में अध्ययन करने का अधिकार प्राप्त कर लिया है। वहीं, अब इन छूटों पर खतरा मंडरा रहा है। कई मोर्चों पर युद्ध लड़ते हुए सैनिकों की भारी कमी का सामना कर रही इस्राइली सेना अनिवार्य सेवा की अवधि बढ़ाने पर विचार कर रही है। अधिकांश इस्राइली पुरुषों के लिए लगभग तीन वर्ष की सैन्य सेवा अनिवार्य है, जिसके बाद उन्हें कई वर्षों तक आरक्षित सेवा में रहना पड़ता है। वहीं, महिलाओं के लिए दो वर्ष की अनिवार्य सेवा होती है।

ईरान के शांति वार्ता रोकने की खबरों पर ट्रंप बोले- मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान द्वारा वाशिंगटन के साथ वार्ता रोकने की खबरों से उन्हें कोई चिंता नहीं है। उन्होंने तर्क दिया कि तेहरान ने वार्ता में बहुत

अधिक समय ले लिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईरान को परमाणु हथियार प्राप्त करने से रोकना उनका सर्वोपरि उद्देश्य बना हुआ है।एक फोन साक्षात्कार में ट्रंप ने इस सुझाव को खारिज कर दिया कि वार्ता में विफलता से उनके दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण बदलाव आएगा, जबकि तेल बाजारों ने उन रिपोर्टों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की कि ईरान वार्ता जारी रखने के लिए अनिच्छुक है। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या ईरान के साथ बातचीत खत्म हो गई है, तो उन्होंने कहा, 'मुझे परवाह नहीं है कि वे खत्म हो गई हैं या नहीं, सच कहूं तो। मुझे बिल्कुल परवाह नहीं है। मुझे जरा भी परवाह नहीं है।'

अमेरिका ने ईरान के रडार-कंट्रोल साइट्स पर किया हमला, सेंटकॉम ने कहा-आत्मरक्षा में की कार्रवाई : अमेरिका ने दावा किया है कि उसने शनिवार और रविवार को ईरान में रडार और ड्रोन कंट्रोल साइट्स पर हमले किए हैं। यूएस सेंट्रल कमांड - सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हफ्ते के आखिर में ईरान के गोरुक और केश्म आइलैंड में ईरानी रडार और ड्रोन कंट्रोल साइट्स पर आत्मरक्षा में हमला किया गया। इनको सेंटकॉम ने जवाबी कार्रवाई करार दिया है। दरअसल, इससे पहले ईरान ने अमेरिकी एमक्यू-1 ड्रोन यह कहते हुए मार गिराया था कि यह ड्रोन उनके समुद्री क्षेत्र में था। इसके बाद अमेरिकी लड़ाकू विमान तुरंत सक्रिय हुए और ईरानी एयर डिफेंस सिस्टम, एक ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन और दो ड्रोन को तबाह कर दिया। अमेरिका ने इन्हें वहां से गुजर रहे जहाजों के लिए खतरा बताया था। इस बीच कुवैत ने कहा कि उस पर ड्रोन-मिसाइल हमले किए गए जिन्हें उनके लक्ष्य तक पहुंचने से रोकने के लिए उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने कार्रवाई शुरू कर दी। ये हमले युद्धविराम प्रयासों के बीच नाजुक हालात दर्शाने वाले हैं। ईरान व अमेरिका दोनों ने सैन्य ठिकानों पर हमले कर एक-दूसरे पर आक्रामक कार्रवाई का आरोप लगाया है, जबकि 3 माह से जारी युद्धविराम के राजनयिक प्रयास थमते दिख रहे हैं। ईरान के होर्मुज स्ट्रेट पर अपनी पकड़ बरकरार रखने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित है। ईरान द्वारा एमक्यू-1 ड्रोन मार गिराने के बाद अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ईरानी वायु रक्षा प्रणालियों, एक जमीनी नियंत्रण केंद्र और दो ऐसे ड्रोन को नष्ट कर दिया जो क्षेत्रीय जलक्षेत्र से गुजर रहे पोतों के लिए स्पष्ट खतरा पैदा कर रहे थे। अमेरिकी वायुसेना प्रीडेटर ड्रोन को सेवा से हटा चुकी है। वह अब एमक्यू-9 रीपर ड्रोन उपयोग करती है लेकिन अमेरिकी थल सेना अब भी प्रीडेटर ड्रोन का उपयोग करती है। सेना ने कहा, कोई अमेरिकी हताहत नहीं हुआ है।

निश्चिंत रहें, सब ठीक हो जाएगाः ट्रंप : राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार तड़के 'ट्रुथ सोशल' पर कहा, ईरान सचमुच समझौता करना चाहता है और यह अमेरिका एवं हमारे साथ खड़े देशों के लिए अच्छा समझौता होगा। बस निश्चिंत रहिए, अंत में सब ठीक हो जाएगा -हमेशा ऐसा ही होता है। उधर, ईरान ने कहा है कि समझौते को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है। ट्रंप ने भी शनिवार की बैठक में यह तय नहीं किया कि युद्धविराम अवधि बढ़ाने पर आगे बढ़ना है या नहीं। नवंबर में होने वाले कांग्रेस चुनावों से पहले ट्रंप पर होर्मुज स्ट्रेट को फिर खोलने व अमेरिकी तेल दाम घटाने का दबाव बढ़ रहा है। मतदाताओं में असंतोष के साथ ही ट्रंप को अपनी ही पार्टी के ईरान विरोधी नेताओं का विरोध झेलना पड़ रहा है। ऐसे में होर्मुज व ईरानी समृद्ध यूरेनियम पर ट्रंप का दबाव ईरान नहीं मान रहा।

'ट्रंप प्रशासन की लापरवाही से ताकतवर हो सकती है चीनी सेना', अमेरिकी सांसदों ने क्यों लगाए ये गंभीर आरोप?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के दो वरिष्ठ डेमोक्रेटिक सीनेटरों ने ट्रंप प्रशासन पर निर्यात नियंत्रण नियमों में खामी छोड़ने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि इस चूक के कारण अमेरिका की अत्याधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ढ्ढ) चिप्स चीनी कंपनियों तक पहुंच सकती हैं, जिससे चीन की सैन्य क्षमताओं को बढ़ावा मिलने की आशंका है। मैसाचुसेट्स की सीनेटर एलिजाबेथ वॉरेन और न्यू जर्सी के सीनेटर एंडी किम ने कहा कि पिछले 18 महीनों में निर्यात नियंत्रण नियमों को अपडेट न करने के कारण उन्नत अमेरिकी तकनीक अनजाने में चीन स्थित कंपनियों तक पहुंच सकती है।

दोनों सांसदों ने संयुक्त बयान में कहा, 'ट्रंप प्रशासन ने पिछले डेढ़ साल में निर्यात नियंत्रण नियमों को अपडेट नहीं किया, जिससे अमेरिका की सबसे उन्नत ढ्ढ चिप्स उन कंपनियों तक पहुंच सकती हैं, जिनके मुख्यालय चीन में मौजूद हैं और इससे चीन की सैन्य शक्ति को बढ़ावा मिल सकता है।' यह बयान अमेरिकी वाणिज्य विभाग द्वारा निर्यात प्रतिबंधों में मौजूद एक संभावित खामी को दूर करने के कदम के बाद आया है। यह खामी उन उन्नत ढ्ढ प्रोसेसरों से जुड़ी थी, जिनका निर्माण एनवीडिया और एएमडी जैसी कंपनियां करती हैं। वाणिज्य विभाग के ब्यूरो ऑफ इंडस्ट्री एंड सिक्योरिटी ने साफ

किया है कि चीन मुख्यालय वाली कंपनियों को निर्यात किए जाने वाले उन्नत चिप्स पर लाइसेंस संबंधी शर्तें लागू होंगी, भले ही वे कंपनियां विदेशों में स्थित अपनी सहायक इकाइयों के माध्यम से काम कर रही हों। अमेरिकी अधिकारियों को आशंका थी कि चीन की कुछ कंपनियां विदेशों में मौजूद अपनी सहयोगी इकाइयों के जरिए उन्नत सेमीकंडक्टर हासिल कर रही थीं, जबकि अमेरिका लंबे समय से चीन की अत्याधुनिक ढ्ढ तकनीक तक पहुंच रोकने की कोशिश कर रहा है। सीनेट बैंकिंग समिति में शीर्ष डेमोक्रेट सदस्य वॉरेन और राष्ट्रीय सुरक्षा व अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं वित्त उपसमिति में शीर्ष डेमोक्रेट सदस्य किम ने कहा कि प्रशासन को इस मुद्दे पर तुरंत साफ और व्यापक दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए। उन्होंने कहा, 'वाणिज्य विभाग आज ही इस खामी को बंद कर सकता है और अमेरिकी तकनीक को चीनी सेना तक पहुंचने देने के बजाय स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाने चाहिए।' दोनों सांसदों ने इस मामले में कांग्रेस से भी जांच की मांग की।

यूएस ने तीन हफ्तों में 70 जहाजों को निकाला सुरक्षित, होर्मुज के हालातों पर अमेरिकी सेना ने क्या कहा?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार यह सभी जहाज फारस की खाड़ी में आने और वहां से बाहर जाने वाले थे। बताया गया है कि अधिकतर जहाजों ने अपनी लोकेशन बताने वाले ट्रांसपोंडर बंद कर दिए थे ताकि उनकी पहचान न हो सके। अमेरिका का कहना है कि ईरान के पास से गुजरने वाले जहाजों पर ड्रोन और मिसाइल हमले का खतरा बना हुआ है। इसी कारण अमेरिकी सेना लगातार जहाजों के साथ संपर्क और समन्वय बनाए हुए है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों में से एक माना जाता है। यह समुद्री मार्ग ईरान और ओमान के बीच स्थित है। दुनिया की करीब 20 प्रतिशत तेल सप्लाई इसी रास्ते से गुजरती है। युद्ध शुरू होने से पहले यहां से हर दिन 100 से ज्यादा व्यापारिक जहाज गुजरते थे। लेकिन अब तनाव के कारण जहाजों की आवाजाही प्रभावित हो रही है।

क्या ईरान के हमले के डर से जहाज बदल रहे हैं रास्ता : अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि जो जहाज ईरान की मंजूरी के बिना उसके समुद्री इलाके के करीब जाते हैं, उन पर हमले का बड़ा खतरा रहता है। इसी वजह से कई जहाज अब ओमान की तरफ वाले समुद्री रास्ते का इस्तेमाल कर रहे हैं। शिपिंग विशेषज्ञों के अनुसार डार्क पैसेज यानी पहचान छिपाकर की जा रही यात्रा की वजह से इन जहाजों की स्वतंत्र पुष्टि करना मुश्किल हो गया है। अमेरिका और ईरान ने 8 अप्रैल को युद्धविराम पर सहमति जताई थी। इसके बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव बना हुआ है। अमेरिका का आरोप है कि ईरान अभी भी इस समुद्री रास्ते पर नियंत्रण दिखाने की कोशिश कर रहा है। वहीं अमेरिका ने भी जहाजों की गतिविधियों पर सख्त निगरानी बढ़ा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी सेना ने पांच व्यापारिक जहाजों को रोकने और 116 जहाजों का रास्ता बदलने की कार्रवाई भी की है। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष का असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। तेल सप्लाई प्रभावित होने से पेट्रोलियम उत्पादों और उर्वरकों की कीमतों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। कई देशों को ऊर्जा संकट और महंगाई की चिंता सताने लगी है।

दो देशों के बीच ड्रग्स तस्करी के लिए खोदी सुरंग, लिफ्ट से लेकर रेल तक की सुविधा; 427 करोड़ ? की कोकीन जब्त

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संघीय जांच एजेंसियों ने मेक्सिको से दक्षिणी कैलिफोर्निया तक फैली एक अत्याधुनिक भूमिगत सुरंग का भंडाफोड़ किया है। इसके साथ ही करीब 427 करोड़ रुपये की एक टन से अधिक कोकीन भी जब्त की है। अधिकारियों ने इसे एक शक्तिशाली मैक्सिकन ड्रग कार्टेल के खिलाफ बड़ी कार्रवाई बताया है।

कई महीनों तक चली निगरानी के बाद इस गुप्त तस्करी मार्ग का खुलासा हुआ, जो अमेरिका-मेक्सिको सीमा के पास स्थित एक कथित खुदरा स्टोर के नीचे से होकर गुजरता था। इस मामले में चार लोगों पर मादक पदार्थों की तस्करी समेत अन्य आरोप लगाए गए हैं।

रिटेल स्टोर के नीचे बनाई थी सुरंग : यह भूमिगत सुरंग मेक्सिको के तिजुआना शहर से कैलिफोर्निया के ओटे मेसा पोर्ट ऑफ एंट्री के पास स्थित 'बाय 4

लेस' नामक कथित स्टोर तक जाती थी। संघीय अधिकारियों के अनुसार, सुरंग की लंबाई करीब 1,933 फीट थी और यह जमीन से लगभग 55 फीट नीचे बनाई गई थी। इसमें मजबूत दीवारें, बिजली, वेंटिलेशन सिस्टम और रेल नेटवर्क भी मौजूद था। इस मामले में सैन डिएगो निवासी ग्रेगोरियो एपिफानियो हर्नांडेज लोपेज, मेक्सिको के ब्रैंडन एस्कालांते सैंडोवल, सैन डिएगो के जोस जिमेनेज और मेक्सिको के एंटोनियो कॉर्टेज पर आरोप लगाए गए हैं। हर्नांडेज लोपेज पर सीमा पार सुरंग के इस्तेमाल की साजिश और नियंत्रित पदार्थों के आयात की साजिश का आरोप है। वहीं, चारों आरोपियों पर नियंत्रित पदार्थों के वितरण की साजिश का मामला दर्ज किया गया है। अमेरिकी अटॉर्नी एडम गॉर्डन ने कहा, 'इन आरोपियों के लिए सुरंग के आखिर में रोशनी नहीं थी, बल्कि पुलिस की लाइटें और सायरन थे।' यह जांच होमलैंड सिक्योरिटी टास्क फोर्स ने दिसंबर 2025 से मई 2026 के बीच की। एजेंसियों ने पाया कि 'बाय 4 लेस' नामक व्यवसाय में ग्राहकों की आवाजाही बेहद कम थी और उसकी गतिविधियां सामान्य खुदरा कारोबार से मेल नहीं खाती थीं। जांचकर्ताओं ने हर्नांडेज और अन्य लोगों को कई बार बड़े सूटकेस परिसर से बाहर ले जाते और अन्य संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होते देखा। तलाशी के दौरान अधिकारियों को 851 पैकेट मिले, जिनमें मौजूद पदार्थ की जांच में कोकीन होने की पुष्टि हुई। जब्त खेप में एक ट्रक से 286.2 किलोग्राम, दूसरे ट्रक से 469.4 किलोग्राम और एक वैन से 274 किलोग्राम कोकीन बरामद हुई। कुल मिलाकर लगभग 1,029.6 किलोग्राम से अधिक कोकीन जब्त की गई।

ट्रंप की नाराजगी के बाद पीछे हटे नेतन्याहू, अमेरिकी राष्ट्रपति का दावा- अब लेबनान पर नहीं करेंगे हमले

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को लेबनान की राजधानी बेरूत पर बड़े सैन्य हमले से रोक दिया है। ट्रंप के अनुसार, उनकी अपील के बाद नेतन्याहू ने अपने सैनिकों को वापस लौटने का निर्देश दिया। ट्रंप ने सोमवार शाम अपने सोशल मीडिया मंच पर लिखा, 'आज मेरी बीबी नेतन्याहू से बातचीत हुई। मैंने उनसे बेरूत पर बड़े हमले से बचने का अनुरोध किया और उन्होंने अपने सैनिकों को वापस मोड़ दिया। धन्यवाद बीबी।'

ट्रंप ने फोन पर नेतन्याहू से जताई नाराजगी : यह दावा ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिकी मीडिया में दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत को बेहद तनावपूर्ण और तीखी बताया जा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, यह फोन कॉल उस समय हुई जब ईरान ने लेबनान पर इस्राइली हमलों के कारण अमेरिका के साथ चल रही बातचीत को समाप्त करने की चेतावनी दी थी। इससे पहले नेतन्याहू ने कहा था कि अगर हिजबुल्ला इस्राइल पर हमले नहीं रोकता तो बेरूत में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया जाएगा। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि उन्होंने हिजबुल्लाह नेतृत्व के प्रतिनिधियों से बातचीत की, जिन्होंने इस्राइल और उसके सैनिकों पर गोलीबारी रोकने पर सहमति जताई। ट्रंप के अनुसार, इस्राइल ने भी जवाबी कार्रवाई रोकने पर सहमति दी है। उन्होंने कहा, 'देखते हैं यह व्यवस्था कितने समय तक चलती है। उम्मीद है कि यह हमेशा के लिए बनी रहे।'

ट्रंप और नेतन्याहू के बीच बेहद गरमागरम माहौल में हुई बात : इस बीच, अमेरिकी समाचार वेबसाइट एक्सियोस की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ट्रंप और नेतन्याहू के बीच बातचीत के दौरान माहौल बेहद गरम रहा। रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि ट्रंप ने नेतन्याहू की कार्रवाई पर कड़ी नाराजगी जताई और उन्हें फटकार लगाई। एक अन्य अधिकारी के अनुसार, बातचीत के दौरान ट्रंप ने नेतन्याहू पर दबाव बनाते हुए हमला रोकने की मांग की, जिसके बाद इस्राइली प्रधानमंत्री ने सहमति जताई। उधर, ट्रंप ने एनबीसी न्यूज से बातचीत में कहा कि उन्हें ईरान के साथ वार्ता निलंबित किए जाने की जानकारी पहले से नहीं दी गई थी। हालांकि उन्होंने कहा कि यदि बातचीत बंद भी होती है तो यह कोई असामान्य बात नहीं है। सप्ताहांत से लेकर सोमवार तक अमेरिका और ईरान के बीच हमलों और जवाबी हमलों का दौर जारी रहा, जिससे करीब दो महीने पुराने संघर्षविराम पर संकट गहरा गया है। हालांकि संघर्षविराम लागू है, इसके बावजूद इस्राइल लेबनान में सैन्य अभियान जारी रखे हुए है। हाल ही में इस्राइली सेना ने लेबनान में 26 वर्षों के दौरान अपनी सबसे गहरी सैन्य घुसपैठ को अंजाम दिया।

अमेरिका: अवैध तरीके से ट्रक चलाने वाले 30 भारतीय गिरफ्तार, जल्द होगा निर्वासन; ऑपरेशन चेकमेट के तहत कार्रवाई

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे और व्यावसायिक ट्रक चलाने वाले लगभग 30 भारतीयों को एक संघीय अभियान के तहत गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने कहा है कि इन सभी को जल्द ही देश से निर्वासित किया जाएगा। अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा एजेंसी ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि 11 से 15 मई के बीच एरिजोना के युमा सेक्टर में चलाए गए 'ऑपरेशन चेकमेट' के दौरान सीमा गश्ती एजेंटों ने 52 लोगों को गिरफ्तार किया, जो अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे थे। इनमें 36 लोग ऐसे थे जो सेमी-ट्रक चला रहे थे। गिरफ्तार किए गए 36 अवैध ट्रक चालकों में 30 भारतीय नागरिक थे। इसके अलावा मेक्सिको, अल सल्वाडोर और रूस के छह नागरिक भी शामिल थे। अधिकारियों के अनुसार, इन लोगों के पास कैलिफोर्निया, न्यूयॉर्क, वॉशिंगटन और वर्जीनिया जैसे राज्यों से जारी वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस थे, जबकि कुछ के पास किसी भी प्रकार का ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था।

दस्तावेजों की वैधता हो चुकी थी खत्म : एजेंसी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि ज्यादातर लोगों के पास रोजगार प्राधिकरण दस्तावेज थे, जो पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में हासिल किए गए थे, लेकिन अब उनकी वैधता समाप्त हो चुकी थी। सीबीपी ने कहा कि सभी गिरफ्तार व्यक्तियों के खिलाफ संघीय कानून के तहत कार्रवाई की गई है और उन्हें निर्वासित किया जाएगा। एजेंसी ने कहा कि

'ऑपरेशन चेकमेट' का उद्देश्य आव्रजन कानूनों को लागू करते हुए देश में वाणिज्यिक मोटर वाहन चला रहे अवैध व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करना तथा सार्वजनिक सुरक्षा को मजबूत करना है। अमेरिकी सीमा गश्ती बल के युमा सेक्टर के कार्यवाहक प्रमुख एजेंट डस्टिन कॉडल ने कहा, 'ऑपरेशन चेकमेट हमारी उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसके तहत हम समुदायों और सड़कों को ऐसे अवैध चालकों से सुरक्षित रखना चाहते हैं, जो सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं।

ट्रंप प्रशासन ने जारी किया था कार्रवाई का आदेश : उन्होंने कहा कि संघीय एजेंट प्रतिदिन गश्त कर रहे हैं ताकि ऐसे लोगों को रोका जा सके और अमेरिका की सड़कों पर होने वाली घातक दुर्घटनाओं को टाला जा सके। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के दौरान अमेरिकी परिवहन विभाग ने अयोग्य विदेशी चालकों को वाणिज्यिक ट्रक और बस चलाने के लिए लाइसेंस प्राप्त करने से रोकने संबंधी आदेश भी जारी किया था। पिछले कुछ महीनों में अमेरिका में भारतीय मूल के कई ट्रक चालकों को वाणिज्यिक वाहन चलाते समय घातक सड़क दुर्घटनाओं के मामलों में गिरफ्तार कर उनके खिलाफ आरोप तय किए गए हैं।

सैनिकों की कमी से जूझ रहे इस्राइल में बवाल: सैन्य भर्ती के खिलाफ कट्टरपंथी यहूदी सड़कों पर उतरे, हिंसा-आगजनी

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल में अनिवार्य सैन्य भर्ती के विरोध में सोमवार को हजारों अति-रूढ़िवादी (अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स) यहूदियों ने देशभर में प्रदर्शन किया। जिससे हिंसा और बवाल की स्थिति बन गई। प्रदर्शनकारियों ने प्रमुख सड़कों और रेल मार्गों को अवरुद्ध कर दिया तथा कई स्थानों पर वाहनों में आग लगा दी, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। इस्राइली पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने कई प्रमुख चौराहों को जाम कर दिया और एक स्थान पर बस से उतरे एक सैनिक पर भी हमला किया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को वाटर कैनन और घुड़सवार बल का सहारा लेना पड़ा।

विरोध प्रदर्शन के कारण यरुशलम और तेल अवीव महानगरीय क्षेत्र समेत देश के मध्य हिस्से में यातायात व्यवस्था लगभग ठप हो गई। कई राजमार्ग बंद कर दिए गए और सार्वजनिक परिवहन सेवाएं बाधित रहीं। इस्राइल में अधिकांश यहूदी पुरुषों और महिलाओं के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य है। हालांकि, राजनीतिक रूप से प्रभावशाली अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स समुदाय को लंबे समय से धार्मिक शिक्षण संस्थानों में अध्ययन के आधार पर सैन्य सेवा से छूट मिलती रही है। अब इस छूट पर खतरा मंडरा रहा है।

आम नागरिक कट्टरपंथी यहूदियों को मिली छूट से नाराज : कई आम इस्राइली नागरिक इस व्यवस्था से नाराज हैं, क्योंकि लगातार सैन्य अभियानों के चलते इस्राइली सेना सैनिकों की कमी से जूझ रही है, जिससे सेना पर दबाव बढ़ रहा है। इस बीच भी अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स समुदाय के अधिकांश युवा भर्ती से बाहर रहते हैं। यही मुद्दा प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार के लिए भी संकट बन गया है। अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स दलों द्वारा समर्थन वापस लेने के बाद समय से पहले चुनाव की आशंका भी बढ़ गई है।

क्या कहते हैं आंकड़े : संसदीय समिति के आंकड़ों के अनुसार, हर साल

करीब 13,000 अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स युवा 18 वर्ष की भर्ती आयु तक पहुंचते हैं, लेकिन इनमें से 10 प्रतिशत से भी कम सेना में शामिल होते हैं। सैनिकों की भारी कमी से जूझ रही इस्राइली सेना अनिवार्य सैन्य सेवा की अवधि बढ़ाने पर विचार कर रही है। वर्तमान में अधिकांश यहूदी पुरुषों को लगभग तीन वर्ष और महिलाओं को दो वर्ष की अनिवार्य सैन्य सेवा देनी होती है, जिसके बाद रिजर्व ड्यूटी भी करनी पड़ती है।

कट्टरपंथी यहूदी प्रदर्शनकारी बोले- ये उनके अस्तित्व की लड़ाई : यरुशलम में प्रदर्शनकारी इजराइल ट्रॉपर ने कहा, 'यह समुदाय इसे अपने अस्तित्व की लड़ाई मानता है। सेना में शामिल होने का मतलब धर्म से समझौता करना है। हम अपना धर्म नहीं छोड़ना चाहते, इसलिए यह हमारे लिए जीवन-मरण का सवाल है।' कई प्रदर्शनकारियों ने ऐसे पोस्टर भी उठाए जिन पर लिखा था, 'हम जियोनिस्ट बनकर जीने से बेहतर यहूदी बनकर मरना पसंद करेंगे और हम जियोनिस्ट विचारधारा के लिए सेना में सेवा नहीं करेंगे।'

क्या है इस विवाद की वजह : इस्राइल की आबादी का लगभग 13 प्रतिशत हिस्सा अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स समुदाय का है और यह देश का सबसे तेजी से बढ़ता जनसमूह माना जाता है। 1948 में इस्राइल की स्थापना के समय से ही धार्मिक अध्ययन करने वाले छात्रों को सैन्य सेवा से छूट दी जाती रही है। इन छूटों और धार्मिक शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों को 26 वर्ष की आयु तक मिलने वाली सरकारी आर्थिक सहायता को लेकर लंबे समय से विवाद बना हुआ है। वर्तमान में इस्राइल गाजा, लेबनान और सीरिया में सैन्य मौजूदगी बनाए हुए है, जबकि ईरान के साथ संघर्ष की स्थिति ने भी सेना पर अतिरिक्त दबाव डाला है।

इस्राइल के सर्वोच्च न्यायालय ने 2017 में इन छूटों को अवैध करार दिया था, लेकिन लगातार समय-विस्तार और सरकारी प्रक्रियाओं के कारण यह व्यवस्था अब तक जारी है। इस्राइल के अधिकांश यहूदियों के लिए सैन्य सेवा सामाजिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा और वयस्कता की पहचान मानी जाती है। वहीं, अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स समुदाय को आशंका है कि सेना में भर्ती होने से उनके युवाओं पर धर्मनिरपेक्ष प्रभाव बढ़ेगा और उनकी पारंपरिक जीवनशैली प्रभावित होगी।

अब अपनी हॉबी को ही बना सकते हैं करियर ऑप्शन

आज के समय में जॉब करना आसान नहीं रह गया है। यह काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब किसी का प्रोफेशन और हॉबी अलग-अलग हो। जिसके कारण आजकल कई लोग जॉब तो कर रहे हैं , लेकिन वे उन जॉब्स से खुश नहीं हैं। पैसा कमाने के लिए जॉब करना और अपने पैशन को फॉलो करके उसमें आगे जाना दोनों बहुत अलग बात हैं। फिर चाहे उसमे पैसे थोड़े कम क्यों न हो।

फोटोग्राफी, राइटिंग, म्यूजिक, डांस, सिंगिंग, कुकिंग, पेंटिंग समेत कई ऐसी हॉबी होती हैं, जिन्हे आप फुल टाइम करियर में बदल सकते हैं। सोचिये जो काम आपको सबसे ज्यादा पसंद है और आपकी हॉबी है, उसे आप अलग से समय निकाल कर करते हैं, अगर इसी हॉबी को अपना प्रोफेशन बना लें तो कितना अच्छा रहेगा। अगर आप भी अपनी हॉबी को करियर का रूप देना चाहते हैं, तो यहां पर दिए गए 7 टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

सबसे पहले रिसर्च करें

अपनी हॉबी को प्रोफेशन में बदलने के लिए सबसे पहले जो काम आपको करना है वो है रिसर्च। किसी भी हॉबी के बारे में आपको पूरी जानकारी होनी चाहिए। आपको पता लगाना है कि क्या आपकी हॉबी फुल टाइम करियर बना सकती है या नहीं। उसमें जॉब और करियर के क्या अवसर हैं और उस क्षेत्र में कितने लोग काम कर रहे हैं और कितने अनुभव की जरूरत पड़ती है।

सही फीडबैक लें

कोई भी व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता और न ही आपका परिवार या दोस्त आपकी इसमें मदद कर सकते हैं। किसी भी काम को शुरू करने से पहले गाइडेंस के लिए जरूरत होती है एक अनुभवी प्रोफेशनल की जो आपका मेंटर बने। हमेशा याद रखें कि काम शुरू करने से पहले अपनी हॉबी के बारे में अपने मेंटर से ईमानदार फीडबैक लेना बिल्कुल ना भूलें।

शुरू से शुरुआत करें

यह बात पहले ही अपने मन में बैठा लें कि जब आप कोई करियर स्विच करेंगे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े। आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊंची पोस्ट पर हों, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा। इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें।

पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल

आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई समानताएं न हों। लेकिन फिर भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलती ही हैं। ऐसी कई स्किल होती हैं, जो हर फील्ड में काम आती हैं। जैसे अगर आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पेंटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग स्किल यहां भी काम आएगी। इसलिए ध्यान रखें कि सभी स्किल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें।

अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं। अपनी नॉलेज और स्किल्स को बढ़ाएं, एक अच्छा नेटवर्क बनाएं। यह आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें।

अपने काम को मोनेटाइज करें

प्रूफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तलाश में होते हैं। आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए। क्योंकि किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत जरूरी है। अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे। इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें। आप चाहे तो आपकी स्किल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेक्चर ले सकते हैं। या फिर खुद की वर्कशॉप भी लगा सकते हैं।

इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाएं। मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं। आपको लिखने का शौक हैं, फोटोग्राफी और पेंटिंग का भी शौक है। अब एक- एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर देखें। इससे आपको अपने आप ही मालूम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप ज्यादा बेहतर हैं और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है।

स्क्रिप्ट राइटिंग में करियर

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढने में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढने के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है।
बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है।
जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं देखी जाएगी।

कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है।
कल तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं। मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं।
जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए। आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढना चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके। साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें। इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णत:-व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है। किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। जो छात्र ग्रैजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
इंडियन इंस्टी. आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।

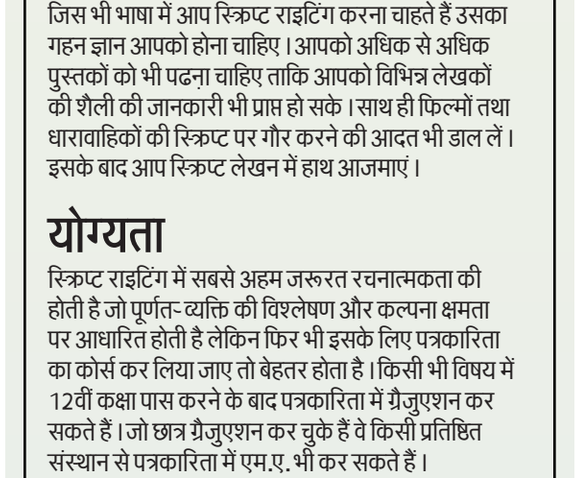

लाभदायक करियर इमेज कंसल्टिंग

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।
यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टी. भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 2009 में की। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गईं। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढिया परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

पत्राचार शिक्षा से बदलती युवाओं की तकदीर

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है। अधिकतर पत्राचार पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाते हैं और इनमें सभी विषय-विधाओं के 10+2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है।
देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं।
अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

सफलता के लिए हमेशा याद रखें...

किसी भी कार्य की सफलता के लिए भावना अच्छी होनी चाहिए। कार्य को प्रारम्भ करने के पीछे हमारा भाव क्या है। हम क्या करना चाहते हैं इसका महत्व है। सफलता के लिए भगवान का सुमिरन कर कार्य करें। भगवान का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। केवल परिश्रम से कुछ नहीं होता। कुछ लोग भगवान की असीम कृपा से कम परिश्रम में भी सफलता की ऊंचाइयों को छू लेते हैं। संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए।
प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं। मां त्रिस्तरीय काम करती है। सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन और उसका संघार करती है। अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है। ऐसा मानकर उसका 3 स्तर पर सम्मान करना चाहिए। कन्या का सम्मान, धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान। आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं। हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम। सत्य शायद हम चूक जाएं। करुणा छूट जाए लेकिन प्रेम बना रहे। यह जीवन का फल है।

दो दिवसीय राष्ट्रीय योग कार्यशाला का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि,कोटद्वार। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार के राज्य पोषित बी.एड. विभाग द्वारा EPC–4 के अंतर्गत दो दिवसीय राष्ट्रीय योग कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के संरक्षक एवं प्राचार्य डॉ.डी.एस नेगी जी, बी.एड. विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.आर. एस. चौहान जी महाविद्यालय के योग प्रशिक्षक डॉ. अनुपम कोठारी जी तथा शारीरिक शिक्षा विभाग के प्राध्यापक डॉ. संदीप किमोठी, डॉ. हीरा सिंह जी के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रचलित कर किया गया।

कार्यक्रम के शुभारंभ में प्राचार्य जी ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते मानसिक दबाव और प्रतिस्पर्धा के दौर में योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि मानसिक संतुलन भी प्रदान करता है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया। और आशा जताई कि भावी शिक्षक योग को जन–जन तक पहुंचने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे। विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ.आर.एस. चौहान जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि एक शिक्षक के लिए अपने विषय के ज्ञान के साथ–साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य भी आवश्यक है। कार्यशाला के प्रथम दिवस में योग प्रशिक्षक के द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न योगाभ्यास, ज्ञान एवं व्यक्तित्व विकास से संबंधित गतिविधियां करवाई गई। सभी प्रतिभागियों ने पूर्ण उत्साह और सक्रियता के साथ अपनी सहभागिता निभाई, साथ ही बी.एड. विभाग के सभी प्राध्यापकझप्राध्यापिकाओं एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के प्राध्यापकों ने भी योगाभ्यास किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. बी.सी. शाह जी ने अपने संबोधन में कहा कि योग कार्यशाला केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्वयं को समझने मानसिक संतुलन स्थापित करने तथा व्यक्तित्व निखारने की एक सार्थक पहल है। उन्होंने कार्यशाला को पाठ्यक्रम, स्वास्थ्य एवं शिक्षा के लिए बहुत जरूरी बताया।

कार्यशाला के संयोजक डॉ. बी.सी. शाह डॉ. सुषमा भट्ट थलेड़ी एवं डॉ. डी.बी. सिंह जी थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुषमा भट्ट थलेड़ी जी ने किया। कार्यशाला में डॉ. एस.सी. बहुगुणा, डॉ. सुनीता नौटियाल, डॉ. डी.के.मौर्य जी उपस्थित रहे।

परीक्षा पारदर्शिता से कराना विवि की जिम्मेदारी : कुलपति

उत्तरकाशी। दूरस्थ एवं पर्वतीय क्षेत्रों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण और सुविधाजनक परीक्षा वातावरण उपलब्ध कराना विश्वविद्यालय की प्राथमिक जिम्मेदारी है। परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संपन्न होनी चाहिए। यह बात श्री देव सुमन विवि के कुलपति प्रो. एनके जोशी ने पीजी कॉलेज उत्तरकाशी में परीक्षा केंद्रों के निरीक्षण के दौरान कही। उन्होंने परीक्षा केंद्रों में स्वच्छ पेयजल, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ शौचालय, बैठने की समुचित व्यवस्था सहित सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रो. जोशी ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल परीक्षाओं के संचालन तक सीमित नही है, बल्कि विद्यार्थियों को सुरक्षित, सकारात्मक और तनावमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिए भी प्रतिबद्ध है। सम सेमेस्टर एवं वार्षिक परीक्षाओं के तहत कुलपति प्रो. जोशी ने राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय उत्तरकाशी सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।

तीर्थयात्रियों का वाहन अनियंत्रित होकर पलटा, हादसा टला

श्रीनगर गढ़वाल : मंगलवार को दस तीर्थयात्रियों को लेकर जा रहा वाहन ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर दुर्घटग्रस्त हो गया। हादसा होते ही चीख पुकार मच गई। स्थानीय लोग तुरंत यात्रियों को बचाने के लिए दौड़े। ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर तीन धारा के पास एक बड़ा हादसा होने से टल गया। यहां यात्रियों से भरा एक टेम्पो ट्रैवलर अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर ही पलट गया। वाहन में कुल दस लोग सवार थे, जिससे घटना स्थल पर चीख-पुकार मच गई। दुर्घटना की आवाज सुनते ही स्थानीय लोग और राहगीर तुरंत मदद के लिए दौड़े और उन्होंने सूझबूझ दिखाते हुए वाहन में फंसे सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला।

गनीमत रही कि किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। दो यात्रियों को चोटें आई हैं। मामले की जानकारी देते हुए चौकी प्रभारी दीपक लिंगवाल ने बताया कि चालक द्वारा सड़क किनारे गिरे पत्थर पर वाहन चढ़ाने के कारण गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में चिंतन गोयल (45 वर्ष) निवासी कांदिवली मुंबई और ललिता साठे (42 वर्ष) निवासी ठाणे मुंबई घायल है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायल यात्रियों को तुरंत नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बागी भिजवाया। डॉक्टरों की देखरेख में उनका उपचार चल रहा है और उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। इसके बाद पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को सड़क से किनारे करवाकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात को पूरी तरह सुचारू रूप से बहाल किया। (एजेंसी)

एक नजर

एपीआई उत्तराखंड के युवाओं के हित में नहीं-दुदपुड़ी

जयन्त प्रतिनिधि,कोटद्वार। बीएड प्रशिक्षित युवा संघ के प्रवक्ता अरविन्द दुदपुड़ी ने अशासकीय विद्यालयों मे शिक्षकों की नियुक्ति राज्य लोक सेवा आयोग या अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से लिखित परीक्षा से कराये जाने तथा पूर्व की भांति व अन्य राज्यों की भांति न्युक्ति मे अधिकतम आयु सीमा को समाप्त करने उच्च शिक्षा मे प्राध्यापको के चयन के लिये एपीआई पद्धति को समाप्त करने लिखित परीक्षा के माध्यम से प्राध्यापकों का चयन करने की राज्य सरकार से मांग करते हुये कहा कि एपीआई उत्तराखंड के युवाओं के हित में नहीं है । साथ ही उन्होंने मांग करते हुये कहा कि गढ़वाल केंद्रीय विश्वबिद्यालय की भांति श्री देव सुमन विश्वविद्यालय उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय अन्य राज्य विश्वविद्यालय पीएचडी के लिये 50% सीटों के लिये प्रवेश परीक्षा तथा 50% सीट नेट के माध्यम से संपन कराये तथा कुमाऊं विश्वविद्यालय (यूसेट) उत्तराखंड राज्य पात्रता परीक्षा मे अन्य बिषयो की भांति पत्रकारिता और जनसंचार बिषय को भी शामिल करे जिससे उत्तराखण्ड यें युवाओं को समुचित अवसर प्राप्त हो सके।

खैरालिंग कौथिग की तैयारियां जोरों पर

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल के मुंडेश्वर में आयोजित ऐतिहासिक दो दिवसीय खैरालिंग कौथिग की तैयारियां जोरों पर चल रही है। छः व सात जून को कौथिग का आयोजन किया जायेगा। समिति के अध्यक्ष व पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख अनिल नेगी ने बताया कि मुंडेश्वर के खैरालिंग महादेव मंदिर परिसर में सदियों से खैरालिंग कौथिग का भव्य व दिव्य आयोजन होता है। मंदिर परिसर में ढोल-दमाऊं की थाप पर गांवों से यह ध्वजा आएगी। सात जून को स्थानीय कलाकारों की ओर से सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इस अवसर पर समिति उपाध्यक्ष जसपाल नेगी, दिनेश असवाल, सचिव विवेक नेगी आदि मौजूद रहे।

गंगोरी बैली ब्रिज की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा के दौरान गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित गंगोरी बैल ब्रिज को लेकर चिंताएं लगातार बढ़ रही है। पुल की स्टील प्लेटों के नेट–बोल्ट ढीले पड़ने से जहां प्लेटों में कंपन और आवाज आने लगी है वहीं स्थानीय लोगों ने इसे सुरक्षा के लिहाज से गंभीर मामला बताया है। विशेषकर रात के समय भारी वाहनों की आवाजाही के दौरान पुल से तेज आवाजें सुनाई दे रही है।हाल ही में पुल पर बढ़ते वाहनों के दबाव और उसकी स्थिति को लेकर भी सवाल उठे थे। अब स्टील प्लेटों के ढीले बोल्ट सामने आने से लोगों की चिंता और बढ़ गई है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि चारधाम यात्रा में प्रतिदिन हजारों वाहन पुल से गुजर रहे हैं। ऐसे में समय रहते तकनीकी खामियों को दूर करना जरूरी है। पूर्व सभासद देवेंद्र चौहान ने कहा कि पुल की स्टील प्लेटों के नेट–बोल्ट ढीले पड़ना गंभीर विषय है। उन्होंने बीआरओ से तत्काल निरीक्षण कर मरम्मत कराने की मांग की है। स्थानीय लोगों ने भी विभाग को पत्र भेजकर पुल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। बीआरओ के कमांडर राजकिशोर ने बताया कि विभाग को मामले की जानकारी मिल चुकी है। जल्द ही तकनीकी टीम पुल का निरीक्षण कर सभी ढीले बोल्ट कसने और आवश्यक मरम्मत कार्य पूरा करेगी।

बारिश ने खोली हाईवे की सुरक्षा दीवार की पोल

उत्तरकाशी। गुमखाल–सतपुली के बीच पौड़ी नेशनल हाईवे के चौड़ीकरण कार्य में निर्माण गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। बारिश ने कई स्थानों पर बनाई गई सुरक्षा दीवारों की पोल खोल दी है। क्षेत्र में जगह–जगह सुरक्षा दीवार ढहने और उनमें दरारें पड़ने की घटनाएं सामने आई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गुमखाल–सतपुली के बीच पिछले कुछ महीनों के दौरान बनाई गई कई सुरक्षा दीवारें तीन से चार माह के भीतर ही क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। बरसात के मौसम में भूस्खलन और मलबा आने की आशंका के बीच इन दीवारों की मजबूती को लेकर लोगों की चिंता बढ़ गई है। क्षेत्रवासियों ने संबंधित विभाग और निर्माण एजेंसी से क्षतिग्रस्त पुश्तों की जांच कर निर्माण में खामियां छोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने, मानसून से पहले आवश्यक मरम्मत और सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग की है।

हाईवे के चौड़ीकरण कार्य में निर्माण गुणवत्ता पर उठाएं सवाल

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : गुमखाल-सतपुली के बीच पौड़ी नेशनल हाईवे के चौड़ीकरण कार्य में निर्माण गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। बारिश ने कई स्थानों पर बनाई गई सुरक्षा दीवारों की पोल खोल दी है। क्षेत्रवासियों ने संबंधित विभाग और निर्माण एजेंसी से क्षतिग्रस्त पुश्तों की जांच कर निर्माण में खामियां छोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने, मानसून से पहले आवश्यक मरम्मत और सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग की है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गुमखाल-सतपुली के बीच पिछले कुछ महीनों के दौरान बनाई गई कई सुरक्षा दीवारें तीन से चार माह के भीतर ही क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। बरसात के मौसम में भूस्खलन और मलबा आने की आशंका के बीच इन दीवारों की मजबूती को लेकर लोगों की चिंता बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो बरसात में हाईवे और यात्रियों की सुरक्षा दोनों खतरे में पड़ सकती है। आशीष कुमार सैनी, जेई, एनएच खंड लोनिवि धुमाकोट का कहना है कि कार्यदायी एजेंसी को निर्माण कार्य की गुणवत्ता में सुधार व क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवारों की मरम्मत करने के निर्देश दिए गए हैं। जल्द ही सुरक्षा दीवारों की मरम्मत करा ली जाएगी। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद पांच साल तक अनुरक्षण कार्य की जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था की है।

अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज प्राइवेट लिमिटेड में इंटरव्यू प्रतियोगिता का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि,कोटद्वार। कोटद्वार स्थित अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास एवं संवाद कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक भव्य इंटरव्यू प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 75 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में संस्थान की निदेशक श्रीमती अनीता जखमोला तथा मुख्य अतिथि डॉ. नंद किशोर जखमोला और पीजी कॉलेज पत्रकारिता एवं जनसंपर्क विभाग के प्राध्यापक श्री अरविन्द दुदपुड़ी उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्थान के सेंटर मैनेजर एवं समस्त शिक्षण स्टाफ ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। शिक्षकों में स्वाति कंडवाल, सौरभ घनसेला, नितेश रावत, अंशिका डंगवाल, काशिश, रजनी रावत, कृतिका नेगी, अल्का रावत एवं मोहित ठाकुर शामिल रहे। कड़े मुकाबले के बाद प्रतियोगिता में आरव बिष्ट ने प्रथम स्थान, कुनाल छेत्री ने द्वितीय स्थान तथा आदिल अहमद ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को

सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।अपने संबोधन में संस्थान की निदेशक श्रीमती अनीता जखमोला ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों के भीतर छिपी प्रतिभा को निखारने का कार्य करती हैं तथा उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करती हैं। कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों ने भी अपने बच्चों के प्रदर्शन पर गर्व व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों, अभिभावकों एवं अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। संस्थान ने भविष्य में भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन करते रहने का संकल्प व्यक्त किया।

30 किलोमीटर एमटीबी चैलेंज प्रतियोगिता में खरिकसिंग, अवनी रहे पहले स्थान पर

रोमांच, रफ्तार और सीमांत संस्कृति का संगम बना 'नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन'

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : सीमांत जनपद चमोली की सुरम्य एवं सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण नीति घाटी में आयोजित 'नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन' के अंतिम दिन मंगलवार को गमसाली से मलारी के मध्य 30 किलोमीटर एमटीबी (माउंटेन बाइकिंग) चैलेंज प्रतियोगिता का रोमांचक आयोजन किया गया। दुर्गम पहाड़ी रास्तों, चुनौतीपूर्ण ट्रैक और मनमोहक प्राकृतिक वादियों के बीच आयोजित इस प्रतियोगिता में देशभर से आए 100 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। 30 किलोमीटर पुरुष एमटीबी चैलेंज प्रतियोगिता में खरिकसिंग अडॉनिस तांगपू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सूरज राणा मगर दूसरे एवं प्रकाश थापा मगर तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग की 30 किलोमीटर एमटीबी चैलेंज प्रतियोगिता में अवनी डरियाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया।

संध्या मौर्या दूसरे, इंद्रा कुमारी तमांग तीसरे स्थान पर रहीं। 15 किलोमीटर पुरुष एमटीबी चैलेंज प्रतियोगिता में प्रज्वल चौहान प्रथम, इशांत सिंह अधिकारी द्वितीय, अश्विन रौथान तृतीय स्थान पर रहे। वहीं महिला वर्ग में प्रिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। पर्यटन विभाग द्वारा भारतीय सेना एवं आईटीबीपी के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय इस भव्य आयोजन में देश के 27 राज्यों से आए कुल 1200 से अधिक प्रतिभागीयों ने हिस्सा लिया। तीन दिवसीय इस आयोजन का उद्देश्य सीमांत क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देना, स्थानीय संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान दिलाना तथा युवाओं में फिटनेस एवं साहसिक खेलों के प्रति जागरूक करना है। पूरे आयोजन के दौरान नीति घाटी खेल, साहस, संस्कृति और पर्यटन गतिविधियों का जीवंत केंद्र बनी रही। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों, भारतीय सेना, आईटीबीपी, चिकित्सा विभाग, पर्यटन विभाग एवं अन्य विभागों के अधिकारियों की सक्रिय सहभागिता ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखें

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मुख्य विकास अधिकारी अशोक जोशी ने विकास भवन सभागार में स्वास्थ्य विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने, नियमित फॉगिंग कराने, साफ-सफाई व्यवस्था सुदृढ़ रखने और व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षा विभाग को सभी विद्यालयों में प्रार्थना सभा के दौरान विद्यार्थियों को डेंगू के लक्षण, कारण और बचाव के उपायों की जानकारी देने के निर्देश दिए।

बैठक में सीडीओ ने नगर पालिका, श्रीनगर, कोटद्वार और लक्ष्मणझूला जैसे उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने को कहा। उन्होंने कहा कि वर्षाकाल में सड़कों के गड्ढों और अन्य स्थानों पर जलभराव होने से मच्छरों के पनपने की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में संबंधित विभाग समयबद्ध तरीके से गड्ढों को भरने और जल भराव रोकने के लिए कार्रवाई करें। एसीएमओ डॉ. पारुल गोयल ने बताया कि मई माह से अब तक जिले में 49,772 घरों में सोर्स रिडक्शन अभियान चलाया जा चुका है जिसके तहत 2,87,449 लोगों तक पहुंच बनाई गई है। उन्होंने बताया कि मई माह में 2,146 व्यक्तियों के रैपिड और एलाइजा टेस्ट कराए गए जिनकी सभी रिपोर्ट नेगेटिव प्राप्त हुई हैं। बैठक में सीएमओ डॉ. शिव मोहन शुक्ला, डीईओ माध्यमिक रणजीतस सिंह नेगी, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी अमित मेहरा, डॉ. अलीशा सचदेवा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक राजीव रावत आदि मौजूद रहे।

दो कोच की ट्रेन में महिलाओं के लिए सीट महज 20

उत्तरकाशी। पैसेंजर ट्रेन से कोटद्वार तक का सफर करने वाली महिलाओं को इन दिनों खासी दिक्कत झेलती पड़ रही है। महिलाएं ट्रेन में सफर के दौरान आपराधिक घटनाओं की शिकार भी हो रही है। मंगलवार को मजबूरन ट्रेन के लगेज में सवार हुई एक महिला के पर्स से हजारों रुपये की धनराशि निकाल ली गई।

कोटद्वार से नजीबाबाद के बीच केवल दो कोच की पैसेंजर ट्रेन चलती है। इसमें महिलाओं के लिए केवल 20 सीट ही आरक्षित हैं। उस पर भी अक्सर पुरुष यात्री सवार हो जाते हैं। इन दिनों सिद्धबली मंदिर के दर्शन करने और पहाड़ पर सैरसपाटे के लिए मैदानी क्षेत्रों से रोजाना बड़ी संख्या में लोग ट्रेन से कोटद्वार आ रहे हैं। मंगलवार, शनिवार और रविवार को महिलाओं व बच्चों की संख्या पुरुषों से ज्यादा होती है। ट्रेन में भीड़ का आलम यह है कि महिलाओं को ट्रेन में सीट मिलना तो दूर, खड़े होने की भी जगह नहीं मिल पा रही है। महिलाओं को पुरुषों यात्रियों के बीच असहज होकर खड़े–खड़े सफर करना पड़ रहा है। मंगलवार सुबह नजीबाबाद से पैसेंजर ट्रेन कोटद्वार के लिए रवाना होनी थी।

सिद्धबली मंदिर और पहाड़ घूमने आने वाले लोगों की प्लेटफार्म पर खासी भीड़ थी और ट्रेन यात्रियों से खचाखच भरी थी। ट्रेन प्लेटफार्म से छूटने पर बगैर कुछ सोचे–समझे एक महिला दो छोटे–छोटे बच्चों के साथ ट्रेन के लगेज में सवार हो गई। वह कोटद्वार में ट्रेन से उतरी तो उसके पर्स की चेन खुली थी और उसमें रखी हजारों रुपये की धनराशि चोरी हो चुकी थी।

बरसात के बाद होगा दुगड्डा व गुमखाल के बीच हाईवे का चौड़ीकरण

कोटद्वार। पौड़ी नेशनल हाईवे पर दुगड्डा–गुमखाल के बीच प्रस्तावित 18.10 किलोमीटर चौड़ीकरण कार्य के लिए क्षेत्रवासियों को अभी कुछ और इंतजार करना पड़ेगा। केंद्र सरकार से 392.52 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिलने के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग ने परियोजना की टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली है। वर्तमान में बांड बनाने की औपचारिकताएं चल रही है लेकिन मानसून नजदीक होने के कारण निर्माण कार्य बरसात समाप्त होने के बाद ही शुरू किया जाएगा। कोटद्वार–पौड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग कोटद्वार, दुगड्डा, गुमखाल, सतपुली और पौड़ी को जोड़ने के साथ ही श्रीनगर में ऋषिकेश–बदरीनाथ चारधाम मार्ग को जोड़ता है। वर्तमान में गुमखाल–सतपुली खंड पर डबल लेन निर्माण कार्य जारी है जिसे जनवरी 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी क्रम में दुगड्डा–गुमखाल खंड के चौड़ीकरण का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया था, जिसे इस

वर्ष जनवरी में मंजूरी मिल चुकी है। परियोजना के लिए अधिग्रहीत वन भूमि में पेड़ों का कटान पहले ही किया जा चुका है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के साथ अब बांड तैयार किए जा रहे हैं। 15 जून से मानसून सत्र शुरू होने की संभावना को देखते हुए निर्माण गतिविधियां फिलहाल स्थगित रखी गई हैं। चौड़ीकरण से पर्यटन, रोजगार, व्यापार को मिलेगी गतिः यह परियोजना चारधाम यात्रा के दौरान सुरक्षित और सुगम वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। साथ ही लैंसडौन छावनी क्षेत्र और जीआरआरसी मुख्यालय की कनेक्टिविटी बेहतर होने से रक्षा एवं प्रशासनिक गतिविधियों को भी लाभ मिलेगा। सड़क के टू–लेन उन्नयन से पर्वतीय क्षेत्रों में व्यापार, पर्यटन, रोजगार और आवागमन को नई गति मिलने की उम्मीद है।

पौड़ी नेशनल हाईवे पर गुमखाल व दुगड्डा के बीच 18.10 किमी. हिस्से के चौड़ीकरण के लिए टेंडर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। मानसून के बाद चौड़ीकरण का कार्य कराया जाएगा। वर्तमान में बांड बनाने की प्रक्रिया चल रही है। – आशीष कुमार सैनी, जेई एनएच खंड लोनिवि धुमाकोट।

चारधाम यात्रा में यातायात व्यवस्था होगी और अधिक सुदृढ़

ओवरस्पीडिंग व बाइकर्स पर रहेगी विशेष निगरानी

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : आगामी मानसून सीजन एवं चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं को लेकर जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सुचारू बनाए रखने हेतु विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में होटल, रेस्टोरेंट एवं ढाबों में रेट लिस्ट प्रदर्शित करने तथा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांच हेतु नियमित सैंपलिंग अभियान चलाने को कहा।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि मानसून प्रारंभ होने से पूर्व सभी विभाग अपनी तैयारियां पूर्ण कर लें,

ताकि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए जिलाधिकारी ने यात्रा व्यवस्थाओं को और अधिक मजबूत एवं व्यवस्थित बनाए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि यात्रा मार्ग पर स्थित सभी पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध रहे, जिससे यात्रियों एवं स्थानीय नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने पुलिस विभाग एवं एआरटीओ को यातायात प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि पीपलकोटी, हाथीपहाड़ सहित अन्य संवेदनशील स्थलों पर अनाधिकृत पार्किंग करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही यात्रा मार्ग पर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने हेतु नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने ओवरस्पीडिंग पर प्रभावी नियंत्रण लगाने तथा बाइक सवार यात्रियों की सुरक्षा को विशेष प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तेज गति एवं यातायात नियमों का उल्लंघन दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बनता है, इसलिए ऐसे मामलों में नियमित अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। विशेष रूप से बाइकर्स की गतिविधियों पर निगरानी रखते हुए सुरक्षित यात्रा के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, यात्रा मजिस्ट्रेट बद्रीनाथ तीरथ पाल सिंह, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/ कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा हरदोई स्टेशन पर एन. पी. एस. एवं बलामाऊ, हरदोई, शाहजहांपुर, हापुड़, नजीबाबाद, योग नगरी ऋषिकेश, रूड़की, लक्सर, चंदौसी, देहरादून तथा हरिद्वार स्टेशनों पर वाटर वेंडिंग मशीन, के कार्य को IREPS के माध्यम से मंडल के विभिन स्टेशनों पर ठेके पर देने हेतु ई–बोलियाँ www.ireps.gov.in पर दिनांक 22.06.2026 को आमंत्रित की जाती है, जिसकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1869/2026

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

आईसीसी ने टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल सहित कई बदलावों को दी मंजूरी

-अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के कारण क्रिकेट कनाडा को निलंबित किया

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने यहां हुई अपनी सालाना आम बैठक में टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के प्रयोग सहित कई अन्य बदलावों को अपनी मंजूरी दे दी है हालांकि ये सभी नियम इस साल अक्टूबर से अमल में लाये जाएंगे। आईसीसी ने कहा है कि खराब रोशनी के दौरान गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। आईसीसी ने इसके अलावा टीम के मुख्य कोच को ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से रणनीतिक चर्चा करने की अनुमति भी दे दी है। वहीं इस दो दिवसीय बैठक में भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के चलते क्रिकेट कनाडा की सदस्यता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

आईसीसी के बयान के अनुसार, टेस्ट मैचों में गुलाबी गेंद का उपयोग दोनों टीमों की सहमति से परीक्षण के आधार पर किया जाएगा जिससे खराब रोशनी की स्थिति में अधिक से अधिक समय तक खेल हो सके। इस नई व्यवस्था के तहत, मैच की शुरुआत पारंपरिक लाल गेंद से होगी, लेकिन यदि दिन के खेल के दौरान रोशनी कम हो जाती है और कुछ ओवर बाकी रह जाते हैं, तो दोनों टीमों की सहमति पर उन शेष ओवरों को फ्लडलाइट्स के दौरान गुलाबी गेंद से पूरा किया जा सकेगा हालांकि भारतीय टीम इस व्यवस्था को स्वीकार करेगी ये अभी पक्का नहीं है क्योंकि भारतीय क्रिकेटर घरेलू हालातों में गुलाबी गेंद से टेस्ट खेलने को लेकर पहले भी तैयार नहीं थे। इसका कारण गुलाबी गेंद से मिलने वाला अधिक सीम मूवमेंट है। वहीं आईसीसी ने खराब रोशनी के कारण खेल में समय के नुकसान को कम करने के लिए मैच अधिकारियों और मैदानों में प्रकाश व्यवस्था से जुड़ी नई तकनीकों को बेहतर बनाने की भी मंजूरी दी है, इससे किए आईसीसी और मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) संयुक्त रूप से आर्थिक सहायता करेंगे।

खेल नियमों में एक और सुधार करते हुए आईसीसी ने अब मुख्य कोच या उनके प्रतिनिधियों को निर्धारित ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान मैदान पर आकर खिलाड़ियों से बात करने की अनुमति दे दी है। यह सुविधा टी20 क्रिकेट में दी जा रही रणनीतिक टाइम आउट सुविधा के समान है। ये अब टेस्ट क्रिकेट में भी उपलब्ध रहेगी। इसके अतिरिक्त, टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए 15 मिनट के अनिवार्य अंतराल और खेल दोबारा शुरू होने पर बल्लेबाजों के तुरंत तैयार रहने से जुड़े नियमों को भी मंजूरी दी गयी है। वहीं प्रशासनिक मोर्चे पर, आईसीसी ने भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों पर क्रिकेट कनाडा को निलंबित करने के साथ-साथ बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चुनावों की निगरानी के लिए अपने वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। गेंदबाजी नियमों में भी बदलाव किए गए हैं। वैध गेंदबाजी एक्शन पर प्रभावी निगरानी के लिए अब मैदानी अंपायरों को हॉक-आई डेटा तक पहुंच मिलेगी, जिससे वे किसी गेंदबाज के एक्शन की रिपोर्ट करते समय इन आंकड़ों का उपयोग कर सकेंगे। लेग साइड वाइड से जुड़े परीक्षण नियम को भी स्थायी रूप से अपनाने की मंजूरी दी गई है। वहीं इसके अलावा महिला क्रिकेट के विकास को बढ़ावा देने के लिए आईसीसी ने महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2026 के आयोजन को भी मंजूरी दी है। इस 10 टीमों के टूर्नामेंट में पांच पूर्ण सदस्य और पांच एसोसिएट सदस्य देश हिस्सा लेंगे, जिनका चयन रैंकिंग और महिला टी20 विश्व कप क्वालीफिकेशन प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा।

आईपीएल 2026 में फ्लाप रहे बुमराह

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लिए आईपीएल का 2026 सत्र बेहद खराब रहा और वह केवल 4 विकेट ही ले पाये। वहीं उनकी टीम मुम्मई इंडियंस को उम्मीद थी कि वह धमाकेदार प्रदर्शन करेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। बुमराह पूरे सत्र में संघर्ष करते दिखे और उनकी गेंदों पर काफी चौके और छक्के तक लगे। इसके कारण मुम्बई इंडियंस को भी काफी नुकसान उठाना पड़ा।

इस पूरे सत्र में बुमराह 13 मुकाबलों में केवल 4 विकेट ही ले पाये। उनका गेंदबाजी औसत 102.50 का रहा। ये किसी आईपीएल सत्र में 30 से अधिक ओवर फेंकने वाले किसी भी गेंदबाज के लिए सबसे खराब आंकड़ा है। विकेट लेने की अपनी असाधारण क्षमता के लिए मशहूर बुमराह एक भी मैच में बल्लेबाजों पर दबाव नहीं डाल सके। वह हर मैच में विकेट के लिए तरसते दिखे। 9 मैचों में तो वह एक भी विकेट नहीं ले पाये। पूरे टूर्नामेंट के दौरान एक भी मैच में बुमराह दो विकेट तक नहीं ले पाये।

उनके पिछले रिकॉर्ड्स को देखते हुए, यह उनके आईपीएल करियर का सबसे खराब सत्र रहा। इससे पहले साल 2013 और 2015 में भी उन्होंने केवल 3-3 विकेट ही लिए थे पर तब वह नये गेंदबाज थे। वहीं स बार पूरा सत्र खेलने के बाद भी वह विफल रहे। बुमराह के इस प्रकार असफल होने से उनकी टीम मुंबई इंडियंस भी प्रभावित हुई और केवल चार मैच ही जीतकर अंक तालिका में नवें स्थान पर रही। वहीं बुमराह के लय में नहीं होने से विरोधी टीमों ने मुम्बई के अन्य गेंदबाजों को भी जमकर पीटा। इससे टीम को भी 10 मैचों में हार झेलनी पड़ी।

वैभव पर अध्ययन करेगा आईआईएम इंदौर

इंदौर (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी से सबको हैरान करने वाले 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को मिली सफलता से सभी हैरान हैं। प्रशंसकों को ये समझ नहीं आ रहा है कि इतनी कम उम्र में कोई इतना सफल कैसे हो सकता है। इसी को देखते हुए भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) इंदौर ने वैभव के मामले को दुर्लभ मानते हुए अध्ययन का फैसला किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार अपनी उम्र से कहीं बेहतर बल्लेबाजी क्षमता और छक्के मारने की कला के पीछे के रहस्यों का खुलासा करने के लिए खेल, मनोविज्ञान और प्रबंधन के शीर्ष विशेषज्ञ एक साथ काम करेंगे। किसी खिलाड़ी पर आधारित यह देश का पहला अध्ययन होगा जिसमें ये जानने का प्रयास किया जाएगा कि इतनी कम उम्र के बाद भी वह मैचों के दौरान विपरीत हालातों के बीच भी दबाव में क्यों नहीं आते। वैभव ने आईपीएल सत्र में सबसे अधिक 72 छक्के लगाकर वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल का 14 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ा था। इसके अलावा 700 से अधिक रन बनाये। वह इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। ये अध्ययन केवल वैभव की खेल उपलब्धियों का ही विश्लेषण नहीं करेगी, बल्कि उन सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, पारिवारिक और संस्थागत कारकों को भी गहराई से समझने की कोशिश करेगी जो कम उम्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को आकार देने में सहायक साबित होते हैं। संस्थान का मानना है कि वैभव की क्रिकेट यात्रा के पीछे व्यक्तिगत क्षमता के साथ-साथ कड़ी मेहनत, परिवार का त्याग, समर्पण और मेंटर्स का योगदान भी बेहद अहम रहा है। यह शोध केवल सफलता पर ही केंद्रित नहीं होगा, बल्कि प्रतिभा के विपरीत प्रभाव को भी सामने लायेगा। आम तौर पर देखा जाता है कि बेहद कम उम्र में मिलने वाली भारी प्रसिद्धि, करोड़ों रुपये के आकर्षक ऑफर और सोशल मीडिया का अनियंत्रित दबाव युवा प्रतिभाओं को विचलित कर देता है। इसके चलते कई खिलाड़ी मानसिक थकान और अत्यधिक अपेक्षाओं के बोझ तले दबकर अपनी पूरी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाते। इस अध्ययन के माध्यम से एक ऐसे इकोसिस्टम का ब्लूप्रिंट तैयार किया जाएगा, जो कॉर्पोरेट जगत को भी प्रतिभा प्रबंधन का एक बिल्कुल नया और प्रभावी मॉडल प्रदान करेगा।

फीफा विश्वकप 2026, कई नये नियमों के साथ खेला जाएगा

सेन डियागो (एजेंसी)। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले आगामी फीफा विश्वकप 2026 में फुटबॉल के खेल में कई अभूतपूर्व नियम लागू किए जाएंगे, जिनका उद्देश्य मैदान पर खिलाड़ियों के अनुशासन को मजबूत करना और खेल भावना को बढ़ावा देना है। 11 जून से शुरू होने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट में अब खिलाड़ी बहस के दौरान अपना मुंह नहीं छिपा सकेंगे। यदि कोई खिलाड़ी ऐसा करता है, तो उसे तत्काल लाल कार्ड का सामना करना पड़ेगा। यह महत्वपूर्ण कदम खिलाड़ियों के बीच होने वाले मौखिक दुर्व्यवहार, विशेषकर नस्लीय टिप्पणियों को रोकने के लिए उठाया गया है, जिसने अतीत में खेल की छवि को धूमिल किया है।

मौखिक दुर्व्यवहार पर अंकुश लगाने के इस कदम के अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल के नियम तय करने वाली संस्था, इंटरनेशनल फुटबॉल एसोसिएशन बोर्ड (आईएफएबी) ने एक और महत्वपूर्ण घोषणा की है। अब रेफरी के फैसले के विरोध में मैदान छोड़ने वाले किसी भी खिलाड़ी को लाल कार्ड दिखाया जा सकता है। यह नियम उन टीम अधिकारियों पर भी समान रूप से लागू होगा जो अपने खिलाड़ियों को विरोध में मैदान छोड़ने के लिए उकसाते हैं। आईएफएबी ने स्पष्ट किया है कि विश्व कप में भाग लेने वाली सभी 48 टीमों को इन सभी संशोधनों के बारे में विस्तार से सूचित किया जाएगा ताकि किसी भी प्रकार की गलतफहमी न हो।

इन अनुशासनात्मक बदलावों के साथ-साथ, फीफा ने विश्व कप के पीले कार्ड संबंधी नियमों में भी संशोधन किया है, जिसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि महत्वपूर्ण नॉकआउट मैचों के लिए कम खिलाड़ियों को निलंबन का सामना करना पड़े। नए नियम के अनुसार, विश्व कप के दौरान किसी खिलाड़ी को मिले पीले कार्ड दो बार उसके रिकॉर्ड से हटा दिए जाएंगे। फीफा परिषद ने फीफा विश्व कप 2026 के नियमों में संशोधन करते हुए यह तय किया है कि ग्रुप चरण में मिला कोई भी पीला कार्ड नॉकआउट चरण में मान्य नहीं होगा। इसका अर्थ है कि नॉकआउट चरण में प्रवेश करने वाले सभी खिलाड़ियों को क्लीन स्लेट के साथ शुरुआत करने का मौका मिलेगा। इसी तरह, क्वार्टर फाइनल में मिला एक पीला कार्ड अगले मैचों (सेमीफाइनल और फाइनल) के लिए मान्य नहीं होगा।

विश्व कप में इससे पहले यदि किसी खिलाड़ी को दो अलग-अलग मैचों में पीला कार्ड दिखाया जाता था तो उसे एक मैच का प्रतिबंध झेलना पड़ता था। हालांकि, पिछले टूर्नामेंटों में क्वार्टर फाइनल चरण के बाद एक पीले कार्ड को रद्द कर दिया जाता था, जिससे यह सुनिश्चित होता था कि सेमीफाइनल में पीला कार्ड मिलने के कारण कोई भी खिलाड़ी फाइनल जैसे महत्वपूर्ण मैच से बाहर न हो। ये नए नियम खिलाड़ियों को बिना अनावश्यक दबाव के बड़े मैचों में अपनी पूरी क्षमता से खेलने का अवसर प्रदान करेंगे, जिससे टूर्नामेंट का रोमांच और बढ़ जाएगा। ये सभी नियम फीफा विश्वकप 2026 को न केवल खेल के लिहाज से बल्कि नैतिकता और निष्पक्षता के दृष्टिकोण से भी एक नए स्तर पर ले जाने का प्रयास करेंगे।

6 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट से शुरु होगा भारतीय टीम का नया कैलेंडर

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 वां सत्र रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के साथ ही समाप्त हो गया है। ऐसे में अब इसमें खेल रहे खिलाड़ियों को कोई लंबा ब्रेक मिलने नहीं जा रहा है। इसका कारण है कि भारतीय टीम का नया अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर 6 जून अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से शुरु होगा। भारतीय टीम को अपनी ही धरती पर अफगानिस्तान से सीरीज खेलनी है। भारत दौरे पर आ रही अफगानिस्तान की टीम भारतीय टीम से एक टेस्ट और तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। ऐसे में प्रशंसकों को विराट कोहली और रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या जैसे अनुभवी खिलाड़ी एक बार फिर एकदिवसीय सीरीज में खेलते दिखेंगे।

मुंबई इंडियंस में बड़े बदलाव होने तय, युवाओं की भागीदारी बढेगी

मुम्बई । आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा और वह अंक तालिका में 9 वें स्थान पर रही। टीम के स्टार खिलाड़ी भी असफल रहे। इसका अंदाजा इसी से होता है कि सबसे अधिक रन बनाने और विकेट लेने वाले शीर्ष दस-दस खिलाड़ियों में इसका एक भी खिलाड़ी शामिल नहीं था। आईपीएल के पिछले सत्र में भी टीम का प्रदर्शन खराब रहा था। इस प्रकार लगातार दो सत्र में निराशाजनक सत्र को देखते हुए अब माना जा रहा है कि मुंबई इंडियंस में बड़े बदलाव होने तय हैं। फ्रेंचाइजी अब टीम को नए सिरे से तैयार करना चाहती है। इसके तहत टीम में कप्तानी में बदलाव और एक अनुभवी बल्लेबाज को अलग भूमिका देने की योजना शामिल है। आईपीएल 2024 में 10वें और आईपीएल 2026 में 9वें स्थान पर रहने के बाद टीम प्रबंधन अब ये बदलाव करने जा रहा है। टीम में अब युवा खिलाड़ियों की भी भागीदारी बढ़ायी जा सकती है। कप्तान हार्दिक पांड्या के भविष्य को लेकर जारी संशय के बीच ही टीम अब नए नेतृत्व विकल्पों की तलाश में है। ये भी कहा जा रहा है कि युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को कप्तान बनाने जाने की संभावना है। युवा तिलक को आईपीएल 2027 से मुंबई इंडियंस की कप्तानी सौंपी जा सकती है। तिलक पिछले कुछ साल से लगातार मुंबई इंडियंस में शामिल रहे हैं और अपने लगातार प्रदर्शन से टीम प्रदर्शन का भरोसा जीतने में कामयाब रहे हैं। टीम के भीतर इस बात पर भी चर्चा है कि उन्हें लंबे समय तक नेतृत्व की भूमिका के लिए तैयार किया जा सकता है। वहीं कप्तानी की दौड़ में दो अन्य अनुभवी खिलाड़ी हैं। इसमें सूर्यकुमार यादव और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं। सूर्या ने आईपीएल 2026 में तीन मैचों में मुंबई की कप्तानी की थी, जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने हार्दिक पांड्या की अनुपस्थिति में एक मैच में टीम की कप्तानी की थी। ये भी कहा जा रहा है कि फ्रेंचाइजी इन नए बदलावों को जल्द से जल्द लागू करना चाहती है।

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए हेटमायर और अल्जारी को शामिल किया

जमैका (एजेंसी)। 3 जून से 8 जून श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए आक्रामक बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर और तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की वेस्टइंडीज टीम में वापसी हुई है। ये दोनो ही फिट नहीं होने के कारण पिछले कुछ समय से टीम से बाहर थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने इस सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। ये सीरीज अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप और 2027 विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने के वेस्टइंडीज के अभियान के लिए अहम मानी जा रही है।

हेटमायर को एकदिवसीय टीम में शामिल करना अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए योजना का एक हिस्सा माना जा रहा है। वह सीरीज के तीसरे और अंतिम मैच से पहले टीम के साथ जुड़ेंगे। उनकी आने से टीम की बल्लेबाजी बेहतर होगी। वहीं, तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ जुलाई 2025 से ही पीठ की चोट के कारण बाहर थे और अब लगभग एक साल बाद खेल में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से ही कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। उनके अलावा स्पिनर गुडाकेश मोती को भी टीम में जगह मिली है, जिससे गेंदबाजी आक्रमण बेहतर होने की उम्मीद है।

यह एकदिवसीय सीरीज 3 जून से 8 जून तक जमैका के सबीना पार्क में खेली जाएगी। यह सीरीज वेस्टइंडीज के लिए 2027 वनडे विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने के अभियान की शुरुआत मानी जा रही है। ऐसे में इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन को लेकर टीम पर दबाव होगा। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने श्रीलंका को एक मजबूत और अनुशासित

एकदिवसीय टीम करार दिया है। सैमी के अनुसार श्रीलंकाई खिलाड़ी हालातों के अनुसार खेलते हैं। सैमी ने कहा कि इस सीरीज से उनकी टीम को अपने खेल का स्तर जानने और उसमें सुधार करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने फील्डिंग में तेजी, बल्लेबाजी में स्पष्ट सोच और गेंदबाजी में लगातार अच्छे प्रदर्शन पर भी जोर दिया है।

कोच सैमी ने कहा कि टीम की रणनीति निडर होकर आक्रामक अंदाज में खेलना रहेगा पर इसका मतलब ये नहीं होगा कि टीम गलती करेगी। उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर अपनी मजबूत पहचान बनाना रहेगा। उनका लक्ष्य घरेलू मैदान पर विरोधी टीमों के लिए कठिनाई पैदा करना रहेगा। उन्होंने जीत के लिए सामूहिक प्रयास और प्रत्येक खिलाड़ी के योगदान को जरुरी बजाया। साथ ही कहा कि टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं रहेगी। सैमी ने यह भी कहा कि पिछले 18 महीनों से टीम इसी सोच के साथ काम कर रही है।

एकदिवसीय सीरीज के बाद, दोनों टीमें जमैका में ही तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले खेलेंगी, जिसके बाद यह दौरा एंटीगुआ में दो टेस्ट मैचों के साथ संपन्न होगा।

टीम इस प्रकार है-शाई होप (कप्तान/विकेटकीपर), एकीम ऑगस्टे, जॉन कैंपबेल, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, जस्टिन ग्रीव्स, शिमरोन हेटमायर, आमिर जंगू, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स और शमर स्प्रिंगर।

नेमार विश्वकप फुटबॉल के पहले मैच में शायद ही खेल पायें

रियो डी जिनेरियो । फीफा विश्व कप 2026 से ठीक पहले ब्राजील को करारा झटका लगा है। उसके स्टार फॉरवर्ड नेमार अब तक अपनी चोट से नहीं उबर पाये हैं। इस कारण अब नेमार मिस्र के खिलाफ 5 जून को होने वाले दूसरे अभ्यास मैच के अलावा विश्वकप फुटबॉल के पहले मैच में भी शायद ही खेल पायें। नेमार की दाहिनी पिंडली की चोट अब तक ठीक नहीं हुई है। इस चोट के कारण ही वह पहले अभ्यास मैच में भी नहीं खेल पाये थे। ब्राजीली फुटबॉल कॉन्फेडरेशन (सीबीएफ) ने कहा है कि नेशनल कैंप में शामिल हुए नेमार पहले ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा नहीं ले सके और उन्हें अपनी चोटिल पिंडली के लिए अतिरिक्त मेडिकल जांच करवानी पड़ी। मेडिकल जांच और स्कैन से ग्रेड 2 की पिंडली की चोट की पुष्टि हुई है। सीबीएफ के मेडिकल विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह वही चोट है जिसने इस फॉरवर्ड खिलाड़ी को 17 मई से फुटबॉल मैदान से दूर रखा हुआ है। गौरतलब है कि नेमार ने अंतिम बार 17 मई को ब्राजील की नेशनल लीग में सैंटोस की ओर से खेलते हुए कोरींटिबा के खिलाफ मैच खेला था, जिसमें उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा था। सीबीएफ के डॉक्टर रोड्रिगो लारमार ने स्थानीय मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि इस अनुभवी फॉरवर्ड खिलाड़ी को पूरी तरह से ठीक होने में लगभग दो से तीन सप्ताह का समय लग सकता है। इस अनुमानित रिकवरी अवधि को देखते हुए, विश्व कप के शुरुआती मैचों में नेमार की उपलब्धता को लेकर गंभीर संदेह उत्पन्न हो गया है। नेमार बुधवार को रियो डी जनेरियो के बाहर टेरेसोपोलिस में स्थित पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील के ट्रेनिंग सेंटर में टीम के बाकी सदस्यों के साथ जुड़े थे। हालांकि, अंतिम मेडिकल जांच के परिणामों का अभी भी इंतजार है पर मौजूदा हालातों को देखते हुए उनके विश्वकप के पहले मैच तक ठीक होने की संभावना नहीं है। वहीं नेमार ने शुरुआत में विश्व कप में अपनी उपलब्धता को लेकर जताई जा रही चिंताओं पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया था। यह भी ध्यान देने योग्य है कि ब्राजील के लिए सबसे अधिक गोल करने वाले नेमार का करियर पिछले दो सालों से चोटों से बुरी तरह प्रभावित रहा है। उन्होंने ब्राजील के लिए अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 17 अक्टूबर 2023 को खेला था। 128 मैचों में 79 गोल कर चुके नेमार का बाहर होना ब्राजील के लिए एक बड़ा नुकसान होगा।

फीफा विश्व कप: 'अब सिर्फ खिताब जीतना है', हैरी केन ने इंग्लैंड का लक्ष्य किया साफ

फ्लोरिडा (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 से पहले इंग्लैंड की टीम ने अपने इरादे साफ कर दिए हैं। कप्तान हैरी केन और मुख्य कोच थॉमस टुचेल ने कहा है कि टीम का एकमात्र लक्ष्य विश्व चैंपियन बनना और जर्सी पर दूसरा सितारा जोड़ना है।

थॉमस टुचेल की अगुआई वाली इंग्लैंड टीम विश्व कप की तैयारियों के लिए फ्लोरिडा पहुंच चुकी है। इंग्लैंड को ग्रुप एल में क्रोएशिया, घाना और पनामा के साथ रखा गया है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 17 जून को आर्लिंगटन में क्रोएशिया के खिलाफ मुकाबले से करेगी।

विश्व कप से पहले टीम फ्लोरिडा में मौसम और परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने की तैयारी कर रही है। हालांकि, बुकायो साका, डेक्लान राइस, नोनी मडुके और एबेरेची एज़े को यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल के बाद अतिरिक्त आराम दिया गया है। वहीं, मार्कस रैशफोर्ड पहले ही मियामी में टीम से जुड़ चुके हैं और गर्म मौसम में विशेष ट्रेनिंग कर रहे हैं।

इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में टीम के भीतर एकता लगातार मजबूत हुई है, लेकिन अब समय खिताब जीतने का है। केन ने कहा, 'गैरेथ साउथगेट के शुरुआती दौर में हमने टीम को एकजुट बनाने और क्लब क्रिकेट को पीछे छोड़कर राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने पर काफी काम किया था। हर साल यह भावना और मजबूत होती गई। लेकिन अब उम्मीद सिर्फ एक है-फिनिश लाइन पार करना और ट्रॉफी जीतना।'

इंग्लैंड टीम की आधिकारिक डॉक्यूमेंट्री 'बिल्डिंग द ड्रीम' में भी दिखाया गया कि टुचेल ने खिलाड़ियों के साथ अपनी पहली बैठक में ही विश्व कप जीतने के लक्ष्य पर खुलकर चर्चा की थी।

टुचेल ने खिलाड़ियों से कहा, 'हम यहां क्यों हैं, इसका जवाब बिल्कुल साफ है। हम विश्व चैंपियन बनना चाहते हैं। हम अपनी जर्सी पर दूसरा सितारा जोड़ना चाहते हैं। मेरे लिए यह जरूरी है कि हम इस लक्ष्य के बारे में खुलकर बात करें। हमारा मिशन और लक्ष्य बिल्कुल स्पष्ट है।'

टुचेल का मानना है कि सिर्फ प्रतिभा के दम पर विश्व कप नहीं जीता जा सकता। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में टीम की एकजुटता और आपसी विश्वास सबसे बड़ा अंतर पैदा करता है। उन्होंने कहा, 'सिर्फ टैलेंट काफी नहीं है। यह केवल फुटबॉल, रणनीति या सेट-पीस की बात नहीं है। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में टीम का माहौल और खिलाड़ियों के बीच का रिश्ता बेहद महत्वपूर्ण होता है।'

टुचेल ने एक विश्व कप विजेता खिलाड़ी का उदाहरण देते हुए कहा कि क्वार्टर फाइनल और फाइनल के बीच फर्क सिर्फ खेल का नहीं, बल्कि टीम के भीतर बने भाईचारे का होता है। उन्होंने कहा, 'जब खिलाड़ी एक परिवार और भाईचारे

की तरह जुड़ जाते हैं, तब वे एक-दूसरे के लिए सब कुछ देने को तैयार रहते हैं। यही भावना किसी टीम को चैंपियन बनाती है।' इंग्लैंड ने अब तक सिर्फ एक बार विश्व कप का खिताब जीता है। ऐसे में टुचेल और केन की नजरें इतिहास रचते हुए देश को दूसरा विश्व कप दिलाने पर टिकी हैं।

फ्रेंच ओपन 2026 : टियाफो को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे अर्नाल्डी

पेरिस। इटली के माटेओ अर्नाल्डी ने 19वें वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी फ्रांसिस टियाफो को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस 2026 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। अर्नाल्डी ने पांच घंटे 26 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में टियाफो को 7-6(5), 6-7(5), 3-6, 7-6(3), 6-4 से हराया। इसी के साथ ही 25 साल के अर्नाल्डी ने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी है। इस मुकाबले में दोनो ही खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर हुई। पहले सेट में बराबरी के बाद, टियाफो ने अपनी जबरदस्त वापसी की और तीसरे सेट तक बढ़त बना ली। चौथे सेट में 4-1 की बढ़त के साथ ही टियाफो आगे हो गये पर टाईब्रेक में टियाफो ने आक्रामक खेल दिखाकर अच्छी वापसी की। उन्होंने बैकहैंड शॉट खेलने के बाद ही मैच को पांचवें सेट में पहुंचा दिया। इसके बाद अर्नाल्डी ने अच्छी लय हासिल कर ली। उन्होंने 4-2 की बढ़त बना ली। इसके बाद टियाफो ने एक बार फिर अच्छे फोरहैंड शॉट लगाकर स्कोर 4-4 से बराबरी पर ला दिया। अर्नाल्डी ने अंत में अपने तीसरे मैच अंक को जीतकर यह मुकाबला जीता। अब उनका मुकाबला अपने ही साथी खिलाड़ी माटेओ बेरेटिनी से होगा। इस इस अर्नाल्डी के अलावा इटली के ही बेरेटिनी और फ्लेवियो कोबोली ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी है। ये पहली बार है जब एक ही ग्रैंड स्लैम के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में इटली के तीन खिलाड़ी पहुंचे हैं।